राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 324 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 08 अक्टूबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया की फ्लाइट से टकराया पक्षी, 158 यात्रियों की जान आई आफत में; वापसी उड़ान रद्द

चेन्नई । एअर इंडिया की कोलंबो से चेन्नई आ रही फ्लाइट में आज एक बड़ा हादसा टल गया। मंगलवार को विमान के उतरते समय बर्ड हिट (पक्षी के टकराने) की घटना हुई, जिसके बाद एयरलाइन को अपनी वापसी की उड़ान रद्द करनी पड़ी। घटना के समय विमान में 158 यात्री सवार थे। हवाई अड्डा प्राधिकरण के अनुसार, विमान ने चेन्नई हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग की और सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान से पक्षी के टकराने का पता लैंडिंग के बाद निरीक्षण के दौरान चला।

इस घटना के तुरंत बाद विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया और एअर इंडिया के इंजीनियरों की टीम ने उसकी विस्तृत जांच शुरू कर दी। यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एयरलाइन ने चेन्नई से कोलंबो जाने वाली वापसी की उड़ान को रद्द करने का फैसला किया।

एयरलाइन ने प्रभावित यात्रियों की सुविधा के लिए एक अन्य विमान की व्यवस्था की, जिससे बाद में 137 यात्री कोलंबो के लिए रवाना हुए।

ज्योति सिंह ने पवन सिंह को दिया मीडिया के सामने आने का चैलेंज

नई दिल्ली। बिहार चुनाव से पहले ही भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह और ज्योति सिंह का विवाद गरमाता जा रहा है। पहले रिश्ते सुधारने के लिए पवन सिंह के घर पहुंची ज्योति सिंह ने हंगामा किया। उन्होंने पवन पर कई आरोप लगाए, जिसके बाद पवन सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुलासा किया कि ज्योति बार-बार चुनाव लड़वाने की डिमांड कर रही हैं। अब एक बार फिर ज्योति ने सिंगर के नाम बड़ा पोस्ट लिखा है। उन्होंने पति पवन को मीडिया के सामने आकर बात करने का चैलेंज दिया है। ज्योति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, सच क्या है, झूठ क्या है...ये मेरी देवतुल्य जनता को भी जानने का अधिकार है। हम सही हों या आप सही हों, कल हम मीडिया के सामने बैठते हैं। आप भी बैठिए, मैं भी बैठूंगी। अब चारदीवारी के अंदर कोई बात नहीं होगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का जताया आभार

गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी रेल लाइन से छत्तीसगढ़ को मिलेगा विकास का नया ट्रैक

डबल इंजन सरकार में विकास की पटरी पर दौड़ रहा छत्तीसगढ़ - मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय की ?24,634 करोड़ की चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत परियोजनाओं में ?2,223 करोड़ लागत की गोंदियाङ्कडोंगरगढ़ चौथी रेल लाइन परियोजना भी शामिल है, जो प्रदेश के पश्चिमी अंचल के औद्योगिक और व्यापारिक विकास को नई गति प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व ही इस महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार कर रहा है। डबल इंजन सरकार के समर्पित प्रयासों से छत्तीसगढ़ विकास की पटरी पर तेज़ी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न केवल छत्तीसगढ़ के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, बल्कि इस परियोजना से सम्पूर्ण मध्य भारत की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश का रेल नेटवर्क आधुनिकता, गति और जनसुविधा के नए युग में प्रवेश कर चुका है। छत्तीसगढ़ को इस दिशा में जो निरंतर सहयोग मिल रहा है, वह राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विस्तार का सशक्त आधार बनेगा।

उल्लेखनीय है कि 84 किलोमीटर लंबी परियोजना राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) और गोंदिया (महाराष्ट्र) जिलों से होकर गुजरेगी। इसे पांच वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना के तहत 15 प्रमुख पुल, 123 लघु पुल, 1 सुरंग, 3 रोड ओवर ब्रिज और 22 रोड अंडर ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। आकांक्षी जिला राजनांदगांव में यह परियोजना न केवल यात्रियों के आवागमन को सुलभ बनाएगी, बल्कि स्थानीय व्यापार और निवेश को भी नई दिशा देगी। यह रेल मार्ग क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकेगा और छत्तीसगढ़ के औद्योगिक परिदृश्य को मजबूती प्रदान करेगा।

परियोजना पूर्ण होने पर प्रतिवर्ष लगभग 30.6 मिलियन टन अतिरिक्त माल यातायात संभव होगा। इससे रेलवे की आमदनी में वृद्धि होगी और राज्य की औद्योगिक इकाइयों को कच्चे माल व तैयार उत्पादों के परिवहन में बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही अनुमानत: 23 करोड़ किलोग्राम ष्टह्र२ उत्सर्जन में कमी, 4.6 करोड़ लीटर डीज़ल की बचत और लगभग ?514 करोड़ की लॉजिस्टिक लागत में कमी का लाभ मिलेगा, जो पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत सकारात्मक प्रभाव डालेगा। यह पहल हर वर्ष लगभग 1 करोड़ पेड़ों के बराबर कार्बन उत्सर्जन को कम करेगी, जो सतत विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है।

अवैध केमिकल 350 नियमों का उल्लंघन, 'किलर' कफ सिरप बनाने वाली फैक्ट्री की रिपोर्ट में हुए बड़े खुलासे

छिंदवाड़ा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में कफ सिरप के सेवन से 14 से अधिक बच्चों की मौत के मामले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस दर्दनाक घटना के बाद तमिलनाडु सरकार द्वारा श्रीसन फार्मास्यूटिकल की फैक्ट्री पर आधारित 26 पन्नों की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें भारी लापरवाही और चौंकाने वाले खुलासे किए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप के निर्माण में कुल 350 नियमों का उल्लंघन किया, जिनमें 39 गंभीर और 325 बड़े स्तर की खामियां पाई गईं। सिरप में 48.6 प्रतिशत डायएथिलीन ग्लाइकॉल (ष्टश्वत्त) पाया गया, जो किडनी फेल होने का मुख्य कारण माना जा रहा है।

तमिलनाडु औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा किए गए निरीक्षण में बताया गया कि कंपनी में गंदगी के बीच सिरप बनाया जा रहा था। वहां कुशल कर्मचारियों, सही मशीनों, आवश्यक सुविधाओं और उपकरणों की भारी कमी थी। क्वालिटी चेक और बैच रिलीज से पहले किसी भी तरह की जांच नहीं की जा रही थी। क्वालिटी एश्योरेंस विभाग का अस्तित्व तक नहीं था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि फैक्ट्री में न तो एयर हैंडलिंग यूनिट थी, न ही पर्याप्त वेंटिलेशन। मशीनें जंग लगी हुई थीं और प्लांट का डिज़ाइन ही दूषित माहौल को बढ़ावा दे रहा था। इसके अलावा, कंपनी ने बिना चालान के 50 किलो प्रोपलीन ग्लाइकॉल खरीदा, जो कानूनी रूप से पूरी तरह से गलत है।

विशेषज्ञों के अनुसार, प्रोपलीन ग्लाइकॉल एक अपेक्षाकृत सुरक्षित सॉल्वेंट है, लेकिन ष्टश्वत्त एक जहरीला औद्योगिक सॉल्वेंट है, जिसका इस्तेमाल ब्रेक ऑयल, पेंट और प्लास्टिक में होता है। ष्टश्वत्त का मेडिकल उपयोग में आ जाना घातक है, और यह वैश्विक स्तर पर विषाक्तता की घटनाओं के लिए जाना जाता है।

रिपोर्ट में अन्य चौंकाने वाली बातों का भी जिक्र किया गया है, जिसमें प्लास्टिक पाइप से लिक्विड फॉर्मूलेशन ट्रांसफर किया जा रहा था। फिल्ट्रेशन सिस्टम मौजूद नहीं था। केमिकल वेस्ट सीधे नालियों में बहाया जा रहा था। साफ पानी के टैंक गंदे पाए गए। कच्चे माल का कोई परीक्षण नहीं होता था। प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं पर नजर रखने के लिए कोई फार्माकोविजिलेंस सिस्टम मौजूद नहीं थी। सैंपलिंग खुले वातावरण में की जाती थी जिससे उत्पाद दूषित हो रहे थे। मक्खी, चूहों से रोकथाम के कोई इंतजाम नहीं थे। फ्लाई कैचर्स और एयर कर्टेन जैसे जरूरी उपकरण गायब थे।

रिपोर्ट के बाद तमिलनाडु सरकार ने 1 अक्टूबर से पूरे राज्य में कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है और बाजार से सारा स्टॉक हटाने का आदेश जारी कर दिया है। जांच में मिले नमूनों में भी मिलावट की पुष्टि हो चुकी है। निर्माता से जवाब मांगा गया है और फैक्ट्री का उत्पादन तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है।

इस त्रासदी के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया और राज्य ड्रग कंट्रोलर को हटा दिया गया। डॉक्टर प्रवीण सोनी, जिन्होंने यह सिरप प्रेस्क्राइब किया था, उन्हें गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया गया है। मृतकों के परिजनों को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है।

साथ ही, मध्य प्रदेश, राजस्थान, केरल और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी है। केंद्र सरकार ने भी 6 राज्यों में 19 दवा निर्माण इकाइयों का जोखिम आधारित निरीक्षण शुरू किया है।

याचिकाकर्ता को न लगे कि कोर्ट आकर गलती कर दी', सुप्रीम कोर्ट की निचली अदालतों को सख्त नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देश की सभी अदालतों को एक महत्वपूर्ण नसीहत देते हुए कहा है कि वे ऐसे आदेश पारित न करें जो याचिका के दायरे से बाहर हों और याचिकाकर्ताओं को हैरान करने वाले हों। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि अदालतें ऐसा फैसला न सुनाएं जिससे न्याय मांगने आए व्यक्ति को लगने लगे कि उसने कोर्ट आकर ही कोई गलती कर दी है।

पीठ ने जोर देकर कहा कि लोग न्याय के लिए अदालत का रुख करते हैं और अदालतों को भी याचिका के दायरे में रहकर ही फैसला सुनाना चाहिए। कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता को या तो राहत दी जा सकती है या फिर राहत देने से इनकार किया जा सकता है। लेकिन जब कोर्ट हैरान करने वाला फैसला सुनाते हैं, तो याचिकाकर्ता खुद को ठगा हुआ और अपमानित महसूस करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोच्चि देवस्वम बोर्ड और चिन्मय मिशन एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट के बीच लाइसेंस फीस से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए की। दरअसल, ट्रस्ट को 1974 में एक हॉल बनाने के लिए जमीन आवंटित की गई थी, जिसकी लाइसेंस फीस 1977 में मात्र 227 रुपये थी। साल 2014 में बोर्ड ने इसे बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये सालाना कर दिया और 20 लाख रुपये का बकाया भी मांग लिया।

जब ट्रस्ट राहत के लिए केरल हाईकोर्ट पहुंचा, तो हाईकोर्ट ने न केवल बढ़ी हुई फीस को सही ठहरा दिया, बल्कि भूमि आवंटन को लेकर एक विजिलेंस जांच का भी आदेश दे दिया।

ट्रस्ट की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के दोनों निर्देशों (फीस पुनर्निर्धारण और जांच के आदेश) को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के दोनों निर्देश याचिका के दायरे से बाहर थे। बेंच ने कहा, ऐसे फैसलों से तो याचिकाकर्ता खुद ही हैरान रह जाएगा। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कुछ अपवादों को छोड़कर सामान्य मामलों में अदालतों को याचिका के दायरे से बाहर नहीं जाना चाहिए।

छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह' बिहार चुनाव की घोषणा के बाद लालू प्रसाद यादव ने कसा तंज

पटना (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने बिहार सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने दावा किया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में डबल इंजन सरकार की विदाई तय है। बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनावी तैयारियों के साथ-साथ आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी शुरू हो गया है। एनडीए और इंडिया ब्लॉक के दल अपनी-अपनी सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। इसी बीच, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार से डबल इंजन सरकार की विदाई तय है। लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह।

इस पोस्ट के जरिए उन्होंने संकेत दिया कि बिहार से एनडीए की विदाई तय है। यह पहली बार नहीं है जब लालू प्रसाद यादव ने बिहार सरकार पर निशाना साधा है। वह अक्सर सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से सरकार पर कटाक्ष करते रहते हैं।

एक अन्य पोस्ट में पूर्व सीएम ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार की डबल इंजन की सरकार का मतलब भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि इस भ्रष्ट व्यवस्था को बदलना है। इस बार बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री को बदलना है और सरकार भी बदलेंगे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 21वीं किस्त अग्रिम जारी

जम्मू-कश्मीर के आपदा प्रभावित किसानों को केंद्र सरकार से मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कृषि भवन, नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के बाढ़ व भूस्खलन प्रभावित किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 21वीं किस्त अग्रिम जारी की। इस सादे समारोह में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय कृषि सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, वहीं जम्मू-कश्मीर के कृषि मंत्री श्री जावेद अहमद डार, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, किसान कार्यक्रम से वर्चुअल जुड़े। आज की किस्त के तहत लगभग 8.55 लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे 171 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए, जिनमें 85,418 महिला किसान शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के किसानों को पीएम-किसान के तहत अब तक कुल 4,052 करोड़ रु. की सहायता दी जा चुकी है।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बाढ़ और अन्य आपदा से प्रभावित जम्मू-कश्मीर के किसानों के साथ केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हुई है, हम सभी प्रभावित किसानों व अन्य लोगों को संकट से पार निकालेंगे, इसी कड़ी में एक कदम पीएम-किसान की किस्त की यह राशि बड़ी राहत है, जिससे किसान अपने आवश्यक कार्य कर सकेंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि हम किसी भी किसान को संकट की इस घड़ी में अकेला नहीं छोड़ेंगे। केंद्र सरकार अपनी विभिन्न योजनाओं व सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से हरसंभव मदद दे रही है, आगे भी जो प्रावधान है, उनके अनुरूप प्रभावित निवासियों को सहायता की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने बताया कि जम्मू-कश्मीर सरकार से लगभग 5100 घरों के क्षतिग्रस्त होने संबंधी जानकारी ज्ञापन के माध्यम से मिली है, जिनके पुनर्निर्माण के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 85.62 करोड़ रु. का विशेष प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया है, जिसमें मूल सहायता राशि के अलावा शौचालय निर्माण व मनरेगा से भी राशि मिलेगी, ताकि लोग अपना घर फिर से बना सकें। साथ ही, राज्य से प्रस्ताव प्राप्त होने पर ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मनरेगा के तहत 100 दिनों के बजाय 150 दिनों की मजदूरी दी जाएगी, जिससे कि प्रभावित परिवारों को अतिरिक्त आजीविका सहायता मिलेगी।

शिवराज सिंह ने कहा कि खेती-बाड़ी फिर शुरू करने के लिए बीज, खाद व अन्य जरूरतें पूरी करने केंद्र सरकार पूरी तरह तत्पर हैं। जिसका खेत-उसकी रेत की नीति के तहत राज्य सरकार ने रेत बेचने के लिए अनुमति दे दी है, वहीं राज्य से प्रस्ताव मिलने पर एनडीआरएफ के तहत भी जरूरत होने पर राशि देने का प्रावधान हैं। शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत भी राज्य का प्रस्ताव मिलने पर राशि पीड़ित किसानों को उनके खाते में देने की व्यवस्था केंद्रीय कृषि मंत्रालय की ओर से की जाएगी।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह व राज्य के कृषि मंत्री जावेद अहमद डार ने भी विचार रखें और केंद्र द्वारा दी जा रही मदद के लिए आभार व्यक्त किया। दोनों मंत्रियों ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को गत दिनों उनके द्वारा प्रभावित क्षेत्र में किए दौरे के लिए भी धन्यवाद दिया।

गयानगर में सामने आया हादसा, लोगों में आक्रोश

मां और बेटी की हादसे में दर्दनाक मौत, लापरवाह ट्रैक्टर ट्राली का चालक गिरफ्तार

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक चंडी चौक-उरला मार्ग पर स्थित मधुबन टेंट हॉउस के पास मंगलवार की सुबह हृदय विदारक हादसे में गयानगर निवासी एक मां और बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में उनके शरीर के ऊपर से एक अनियंत्रित ट्रैक्टर का ट्रॉली गुजर गया। जिससे एक साल की मासूम बच्ची वामिका साहू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी 28वर्षीय मां मोनिका साहू ने जिला अस्पताल में ईलाज के कुछ देर बाद ही दम तोड़ दी। पति विकास साहू हादसे में बाल बाल बच गए। उसे मामूली चोटे आई है।

मिली जानकारी के मुताबिक साहू दंपत्ति अपनी पुत्री वामिका साहू को बुखार आने की शिकायत पर मंगलवार की सुबह 11.30 बजे जब डॉक्टर से चेकअप करवाने चंडिका हॉस्पिटल गयानगर की ओर हीरो पैशन प्लस बाईक पर सवार होकर जा रहे थे। तब यह हृदय विदारक व दर्दनाक हादसा सामने आया। हादसे के लिए ट्रैक्टर ट्रॉली के लापरवाह चालक को दोषी बताया गया है। मिट्टी से भरा ट्रैक्टर ट्रॉली चंडी चौक से उरला की ओर जा रहा था, वहीं बाईक सवार साहू दंपत्ति चंडी चौक की ओर आ रहे थे। ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक के अचानक ओव्हरटेक करने और मार्ग पर भीड़भाड़ होने से साहू दंपत्ति हड़बड़ाकर अचानक बाईक समेत सड़क पर गिर गए। इस बीच साहू दंपत्ति सामने से आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉली के चपेट में आ गया। बच्ची वामिका साहू और उसकी मां मोनिका साहू के शरीर के ऊपर से ट्रैक्टर ट्रॉली का पहिया गुजर गया,जिससे बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई।

मां ने ईलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बाईक चालक पति विकास साहू के मार्ग पर दूसरी तरफगिरने से वह हादसे में बाल बाल बच गए। इस हृदय विदारक व दर्दनाक हादसे से क्षेत्र के लोगों में शोक के साथ आक्रोश का माहौल है। हादसे की खबर पर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा लापरवाह चालक को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा रही है, वहीं हादसे की खबर पर क्षेत्र की पार्षद और नगर निगम में एमआईसी सदस्य लीना देवांगन, एमआईसी सदस्य नरेन्द्र बंजारे, पूर्व सभापति दिनेश देवांगन, पार्षद विजयंत पटेल तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल साहू दंपत्ति के मदद में जुटे रहे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने लोगों की मदद से हादसे में घायल मां और बेटी को प्रारंभिक उपचार के लिए तत्काल चंडिका हॉस्पिटल पहुंचाया, फिर उनके ही मदद व प्रयास से मां और बेटी को ईलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की गई, लेकिन हादसे में मां और बेटी को गंभीर चोटे आने से उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। मृतक मां और बेटी का कल 8 अक्टूबर को अंतिम संस्कार किया जाएगा। बताया गया है कि हादसे में घायल विकास साहू टेड़ेसरा के एक फैक्ट्री में कार्य करता है। उसकी पत्नी व बेटी की मौत होने से साहू परिवार में शोक का माहौल है।

अरविंद केजरीवाल को मिला सरकारी बंगला, हाईकोर्ट की सख्ती के बाद हुआ आबंटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबी कानूनी लड़ाई और केंद्र सरकार के साथ चली तनातनी के बाद आखिरकार आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 95 लोधी एस्टेट स्थित टाइप-VII बंगला आवंटित कर दिया गया है। यह आवास उन्हें बतौर राष्ट्रीय पार्टी के प्रमुख के नाते दिया गया है। यह आवंटन तब हुआ जब दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को आवास आवंटन में की जा रही देरी पर सख्त टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा था कि सरकारी आवासों के वितरण में पारदर्शिता और समानता सुनिश्चित की जानी चाहिए। कोर्ट 'आप' की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पार्टी ने अपने राष्ट्रीय संयोजक के लिए केंद्र सरकार से आवास की मांग की थी।

हाईकोर्ट ने 16 सितंबर को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के रवैये को टालमटोल करार देते हुए कहा था कि आवास आवंटन की प्रक्रिया किसी विशेष व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि समान अवसर की प्रणाली होनी चाहिए। अदालत ने केंद्र को स्पष्ट किया था कि सरकारी आवास किसी भी व्यक्ति या पद के प्रति भेदभाव के आधार पर नहीं दिया जा सकता। इससे पहले, आम आदमी पार्टी ने 35 लोधी एस्टेट स्थित टाइप-VII बंगला अरविंद केजरीवाल को देने का प्रस्ताव किया था। यह वही बंगला था जो बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने मई में खाली किया था। हालांकि, केंद्र सरकार ने उस बंगले को केजरीवाल के बजाय एक केंद्रीय राज्य मंत्री को आवंटित कर दिया था।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के लगभग 29 करोड़ रुपए के विकास कार्य का हुआ शुभारंभ

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन)। नगर पंचायत सरिया में विकास के रंग में रंगा दिखाई दिया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में लगभग 29 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया। इस मौके पर नगर सहित आसपास के ग्रामों से भारी संख्या में लोग पहुंचे और कार्यक्रम को विकास का पर्व बताया। कार्यक्रम के दौरान मंच से उत्साह और जोश देखते ही बनता था। वक्ताओं ने प्रदेश सरकार की पारदर्शी कार्यप्रणाली और जनकल्याणकारी नीतियों पर जोर देते हुए कहा कि अब विकास कार्य जनता के द्वार तक पहुंच रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सरिया नगर पंचायत में आज 30 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की शुरुआत हुई है। यह तो बस शुरुआत है, आगे और बड़े प्रोजेक्ट इस क्षेत्र में आएंगे। आज का दिन विकास की 'बड़ी बोहनी' है। इन कार्यों के पूरा होने से सरिया नगर और आसपास के क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, भवन निर्माण एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने संबोधन में कहा — जनता सब जानती है। अब सही बटन दबाइए विकास अच्छा होगा, जो विकास करे, उसी को चुनिए।

अगर कोई कमीशन मांगे, तो जनता उसे जवाब देगा। उन्होंने आगे कहा कि — सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के कलेक्टर संजय कन्नौजे बहुत ही कर्मठ और संवेदनशील अधिकारी हैं। परसों रात मैंने कार्यक्रम को लेकर उनसे चर्चा की थी और उन्होंने मात्र दो दिन में इस पूरे आयोजन को अत्यंत सुंदर और सुसंगठित रूप से तैयार कर दिया। वास्तव में उन्होंने प्रशंसनीय कार्य किया है। मैं उनके कार्य के लिए दिल से सराहना करता हूं। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे, पुलिस अधीक्षक आञ्जनेय वार्ष्णेय सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

भूमिपूजन कार्यों के नाम

भूमिपूजन कार्य में बरमकेला ब्लॉक में सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, बस स्टैंड शॉपिंग कांप्लेक्स निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण, गार्डन में लाइट स्थापना, लोक निर्माण विभाग अंतर्गत बिलाईगढ़ में मोहतरा से मुड़ीघाटी मार्ग, कोसमकुंडा से जैतपुर मार्ग, सारंगढ़ ब्लॉक में भकुर्रा से पीपरडीह मार्ग , नावापारा से जसपुर, बरमकेला ब्लॉक में संडा से देवगांव मार्ग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत चंद्रपुर बरमकेला से छेवारीपाली तक, सरिया कटंगपाली से महाराजपुर, कोतरी बासिनबहरा से परसाडीह, ग्वालीनडीह से छतौना, एसटी 8 से परसाडीह, बनाडील सोनियाडीह, बरमकेला ब्लॉक क्षेत्र में अधोसंरचना विकास एवं पर्यावरण उपकर निधि में सीसी रोड, शेड निर्माण, राज्य आपदा मद से शिविर भवन निर्माण शामिल है।

संक्षिप्त-खबर

तांदूला नहर में निकल रहा है देशी शराब का पौवा, पुलिस के आंखों से बचाने शराब कोचियों का नया पैंतरा, पानी के भीतर छुपा रहे है अवैध शराब

पाटन (समय दर्शन)। पाटन ब्लॉक के सबसे ग्राम सेलूद में आज दोपहर को पानी के भीतर से देशी शराब का पौवा मिलने की जानकारी सामने आई है।

जानकारी के मुताबिक तांदूला मुख्य नगर से तर्रा माइनर में सेलूद से बोहरडीह मोड़ पुलिया के पास कुछ बच्चे नहर में मछली पकड़ने के लिए जाल लगाया था। जब जाल को निकाला गया तो इसमें चार से पांच देशी शराब के पौवा मिला। जैसे ही इसकी जानकारी हुई तो कुछ लोग और नहर में उतरे और शराब की तलाश करने लगे। इसके बाद पौवा निकलने का सिलसिला जारी रहा। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले उतई पुलिस द्वारा सेलूद में अवैध शराब बिक्री करने वालो पर धरपकड़ कर कार्रवाई की है। ऐसा माना जा रहा है कि कार्रवाई की डर से कोचियों द्वारा शराब को नहर में फेंक दिया होगा या फिर छुपा दिया होगा। नहर से शराब निकलने की चर्चा हो रही है।

पाटन विधानसभा में कांग्रेस के तीनों ब्लॉक के कार्यकर्ताओं ने राकेश ठाकुर को जिला अध्यक्ष बनाने दिया अपना समर्थन, पाटन में हुई आज कार्यकताओं की बैठक

पाटन (समय दर्शन)। पाटन में कांग्रेस के पाटन, जाम गांव आर और कुम्हारी ब्लॉक के सभी कार्यकर्ताओं की बैठक रखी गई। बैठक में आज मुख्य रूप से पूर्व मुख्यमंत्री और पाटन विधायक भूपेश बघेल , ए आई सी सी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अजय सिंह लल्लू उपस्थित रहें श्री बघेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। श्री लल्लू ने संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन एवं संगठनात्मक सृजन बैठक में उपस्थित तीनों ब्लॉक के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इसके अलावा उन्होंने संगठन के विस्तार के लिए जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं से भी चर्चा किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्षत पद के लिए वर्तमान जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर का नाम पर सभी ने एकमत से सहमति जताते हुए तीनों ब्लॉक के तरफसे राकेश ठाकुर को समर्थन दिया। बैठक में कांग्रेस के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और ब्लॉक के कार्यकर्ता मौजूद रहें।

हाईकोर्ट के आदेश के परिपालन में सड़कों पर नुकीले पिंजरे वाले ट्रैक्टर चलाने पर रोक

दुर्ग (समय दर्शन)। उच्च न्यायालय बिलासपुर के आदेश के परिपालन में जिले में नुकीले पिंजरे वाले दोहरे पहिए लगे ट्रैक्टरों को सड़क पर चलाने पर सख्त रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। ज्ञात हो कि नुकीले पिंजरे वाले दोहरे पहिए लगे ट्रैक्टरों का उपयोग किसानों द्वारा केवल खेतों में कृषि कार्य हेतु किया जाता है। परंतु कृषि कार्य में उपयोग किए जाने वाले इन ट्रैक्टरों को पिंजरे वाले पहिये हटाए बिना ही, अनाधिकृत और लापरवाही पूर्ण तरीके से सामान्य सड़कों, सीमेंट की सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलाया जा रहा हैं। जो कि मोटर वाहन अधिनियम/नियमों का उल्लंघन है और इससे गंभीर दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ती है। जिला क्षेत्रीय परिवहन विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों से अपील की गयी है कि उक्त वाहनों को उपयोग सिर्फ खेतों में करे, ना कि सड़क/सीमेंट की सड़कों पर, ताकि दुर्घटनाओं और कानूनी कार्यवाही से बचा जा सके। किसी भी ट्रेक्टर चालक या मालिक द्वारा इस नियम का उल्लंघन करते पाये जाने पर उसके खिलाफ कड़ी चालानी कार्यवाही की जायेगी। विभाग द्वारा लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है साथ ही चालकों व वाहन स्वामियों को नियमों की जानकारी देकर जागरूक भी किया जा रहा है।

धवईपानी अकलघरिया के पास बोलेरो और ट्रक की भिडंत में 5 मौत, 5 घायल

ट्रक चालक फरार

कवर्धा (समय दर्शन)। रायपुर जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में रविवार की शाम कार और ट्रक की आमने सामने की भिडंत में पांच लोगों की मृत्यु हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं, एक बच्ची और एक पुरूष शामिल हैं। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया।

जिले के अंतिम छोर में स्थित वनांचल ग्राम अकलघरिया के पास कार और ट्रक की जोरदार भिडंत हो गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एडिशनल एसपी पंकज पटेल ने बताया कि कार सवार सभी 10 लोग कोलकाता के टूरिस्ट है जिनका आज रात्रि में बिलासपुर से ट्रेन था सभी लोग कलकत्ता बंगाल के रहने वाले है। कोलकाता पश्चिम बंगाल से सभी लोग बोलेरो कार में बैठकर मध्ययप्रदेश की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अकलघरिया के पास सामने से आ रही ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं कार में बैठे दो लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही चिल्फी पुलिस और 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को वाहन से निकालकर बोड़ला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल तीन व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जिला अस्पताल पहुंचने पर तीन अन्य लोगों की मौत हो गई. मरने वालों में तीन महिलाएं, एक बच्चा और एक पुरुष शामिल है। हादसे के बाद नेशनल हाईवे थोड़ी देर के लिए जाम हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर रास्ते को खाली कराया। अभी यातायात व्यवस्था बहाल हो गई है। पुलिस ने इस केस के संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली है।

जिले में रफ्तार का कहर थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक और भय का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर असमय होने वाली मौत और भीषण सड़क हादसा पर रोक लगाने के लिए ठोस उपाय करने की मांग की है।

दशानन का दहन कर बुराई का किया गया अंत धू धू कर जला रावण

बिर्रा विराट दशहरा महोत्सव में बारिश के बाद भी भव्य आतिशबाजी के साथ 35 फीट रावण का दहन

बिर्रा (समय दर्शन)। दशहरा महोत्सव बिर्रा के इतिहास में पहली बार विराट दशहरा महोत्सव का आयोजन में ग्राम पंचायत बिर्रा दशहरा महोत्सव समिति और समस्त ग्रामवासीयों द्वारा ऐतिहासिक आयोजन किया गया। सर्वप्रथम 35 फीट ऊंची रावण का पुतला पर पटाखों से सजाकर दशहरा मैदान को सजाया गया है और कहार मुहल्ला से गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई ।राजमहल बिर्रा चौक पर एक रथ पर राम की वानरी सेना,रावण की आसुरी सेना और राजमहल बिर्रा के युवा राजकुमार सवार होकर दीवान मुहल्ला ठाकूरदेव मुहल्ला दाऊ मुहल्ला बस स्टैंड चंडी मंदिर होते हुए ग्राम भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल दशहरा मैदान पहुंचे जहां राम-रावण युद्ध का नजारा प्रस्तुत किया गया। जगह जगह आतिशबाजी किया गया ।रामलीला मंडली के डायरेक्टर श्रवण कुमार कश्यप और नंदलाल श्रीवास ने राम रावण युद्ध का जीवंत झांकी के साथ बहुत सुंदर नजारा दिखाए। कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र तिवारी ने किया और लोगों को बुराई पर अच्छाई की प्रतीक जीत की शंखनाद की ।राम और लक्ष्मण की भूमिका में शुभम पांडेय और भूपेंद्र पांडेय दोनों भाईयों ने बढ़िया अभिनय किया।

हनुमान जी सहित वानरी सेना ने भी शानदार अभिनय किया ।वही रावण का अभिनय दबंग गोपाल पटेल के दल में असूर सेना विभिन्न रूपों में नज़र आए। रात्रिकालीन कार्यक्रम में निर्मला ठाकुर और चंपा निषाद नाईट में मुख्य अतिथि बिलाईगढ विधायक श्रीमती कविता प्राण लहरे, ज़िला पंचायत सदस्य एवं सभापति मोहन कुमारी साहू सरपंच श्रीमती पिलीबाई साहू सहित सभी महिला पंच व प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विधायक श्रीमती लहरे ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे आमंत्रित कर विराट दशहरा महोत्सव में बुलाए इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद और दशहरा का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है कहकर अपनी शुभकामनाएं दी ।वही मोहन कुमारी साहू ने उपस्थित अपार जनसमूह का आभार व्यक्त किया कि आप सभी ने मुझे जिला पंचायत सदस्य की जो जिम्मेदारी दी है उस पर खरा उतरकर आपकी समस्या जिला पंचायत तक पहुंचाने का हरसंभव प्रयास होगा ।आयोजन को लेकर बिर्रा सरपंच प्रतिनिधि एकादशिया साहू जनपद सदस्य रितेश रमण सिंह संरक्षक लाल रेवती रमण सिंह गीताराम तिवारी विजय बहादूर सिंह अर्जून महराज चेतन प्रताप सिंह पियुष सिंह प्रतीक प्रताप सिंह मणीलाल कश्यप पत्रकार चित्रभानू पांडेय सुरेश कुमार राघवेन्द्र पांडेय संजु कमल देवचंद यादव सुरेश कुमार कर्ष लखनलाल देवांगन मनहरण सोनवानी सम्मेलाल यादव सौखीलाल पटेल बजरंग साहू कृष्णा साहू नरेंद्र यादव अमन कहार रोहित पटेल सचिव भोलाराम देवांगन धनसाय कश्यप खेदू राम छतबाई कर्ष विमला चौहान एकांश पटेल कमल कटकवार गोपाल कश्यप राहूल कश्यप छोटेलाल केंवट हेमंत साहू रमेश कुमार साहू सहित समस्त ग्रामवासी जुटे हुए थे।

पुलिस की व्यवस्था चुस्त रही

विराट दशहरा महोत्सव को लेकर पुलिस प्रशासन और यातायात पुलिस चौकन्ना दिखी। बिर्रा थाना प्रभारी जय कुमार साहू ने लोगों से अपील की है कि दशहरा महोत्सव में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाए रखने सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से अनैतिक गतिविधियों पर विशेष नज़र रखी जाएगी व दशहरा मैदान या आसपास धारदार हथियार चाकू ज्वलनशील पदार्थ और हाथों में कड़ा पहनने वालों पर कार्रवाई करने की बात कही थी और कार्यक्रम निर्विघ्न सम्पन्न हुआ।

पी एम श्री बालक सरिया में सामाजिक अंकेक्षण सपन्न

सरिया (समय दर्शन)। पीएम श्री स्कूल बालक प्राथमिक शाला सरिया में मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 2025 के तहत सामाजिक अकेक्षण किया गया। जिसमें कुमारी दीप किरण सोरैग अकेक्षण टीम प्रमुख के रूप में रही। सर्वप्रथम सभी टीम सदस्यों एवं पालकों का स्वागत रंगोली तिलक फूल एवं तालिया के साथ शाला परिवार द्वारा किया गया । अकेक्षण के दौरान सभी सदस्यों द्वारा बारी बारी से रूब्रिक्स प्रश्नावली के आधार पर तथा अन्य संबंधित प्रश्न सभी कक्षाओं के बच्चों से जांच हेतु किया गया, सभी टीम सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही तथा अधिकांश बच्चे बेझिझक सवालों के जवाब दिए ,साथ मी डे मिल स्क्ष्रूमें न्योता भोज के तहत बच्चों एवं सभी सदस्यों को खाना खिलाया गया इस मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 2025 के तहत नगर पंचायत अध्यक्ष श्री कमलेश अग्रवाल श्री मोतीलाल स्वर्णकार पार्षद श्री पिंटू मेंहर पार्षद जयप्रकाश सोनी सामाजिक कार्यकर्ता आशुतोष स्वर्णकार पार्षद लवलेश प्रधान उपस्थित रहे साथ ही टिम प्रमुख कुमारी दीप किरण सोरेग उपस्थित सदस्य श्रीमती पिंकी प्रधान श्रीमती संयुक्ता भोय श्रीमती विशाखा सिदार किरण सिदार मनोज पुरी साथ ही पी एम श्री स्कूल के प्रधान पाठक श्रीमती तनुजा प्रधान एवं शिक्षक गण परमेश्वरी भोय संध्या सिदार श्री महेंद्र कुमार राठौर श्रीमती वैष्णवी सिदार श्रीमती हेमकंती सिदार श्रीमती तिलोत्तमा यादव श्री भोलेनाथ चौहान सभी ने इस आयोजन में सहभागिता निभाई।

जनपद कार्यालय घेराव के लिए ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

ग्रामीण लगा रहे करोडों के घोटाले का आरोप

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा जनपद कार्यालय का घेराव के लिए ग्रामीणों ने आज जिला मुख्यालय महासमुन्द मे कलेक्टर जन दर्शन में ज्ञापन सौंपा है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत डोंगरीपाली में दिनांक 26/09/2025 शुक्रवार को जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत में हुए कार्यों का जायजा लिया वहीं, हाल ही में पंचायत में हुए भौतिक सत्यापन की जाँच रिपोर्ट शिकायतकर्ता को उपलब्ध नहीं कराए जाने पर शिकायतकर्ता एम.डी. सागर ग्राम वासियों ने जिला सीईओ के समक्ष इस संबंध में आपत्ति करते हुए कहा था कि, उन्हें लगातार जनपद अधिकारियों द्वारा जाँच प्रतिवेदन के लिए घुमाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पारदर्शिता के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है, जबकि जाँच रिपोर्ट उन्हें नहीं सौंपी जा रही। इस पर जिला पंचायत सीईओ ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को तत्काल शिकायतकर्ता को प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। शिकायतकर्ता ने बताया था कि कुछ दिन पहले ही जाँच अधिकारी रामनारायण पटेल, गुलाब प्रसाद सामल, डी.एल. बरिहा और जसवंत सिंह पैकरा द्वारा पंचायत में भौतिक सत्यापन किया गया था। इस दौरान भारी अनियमितताएँ उजागर हुई थी।

आपको बता दें कि, जिला सीईओ के बातों को भी, पिथौरा जनपद सीईओ और जांच अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज कर दिया गया, और आज तक जांच प्रतिवेदन शिकायतकर्ता को नहीं दिया गया।

जाँच में यह तथ्य सामने आया कि पंचायत सचिव द्वारा करीब 60 लाख रुपये के बिल प्रस्तुत किए गए, जबकि लगभग 2 करोड़ रुपये के बिल का कोई दस्तावेज मौजूद नहीं है।

इतना ही नहीं, साहू इंटरप्राइजेज को किए गए भुगतानों से संबंधित कोई बिल या वाउचर भी उपलब्ध नहीं है। जिसका जाँच किया गया है किन्तु जांचकर्ता अधिकारियों द्वारा,पूर्व सरपंच और पंचायत सचिव को बचाया जा रहा है, और शिकायतकर्ता को जाँच प्रतिवेदन नहीं दिया जा रहा है।

उपतहसील एक कार्यालय नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच एक सेतु है- भावना बोहरा

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने किया पांडातराई में नए उप तहसील भवन का शुभारंभ।

कवर्धा (समय दर्शन)। जनता की सेवा, सुविधा और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए तत्परता से कार्य करते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से पांडातराई नगर की जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई। सोमवार को विधायक भावना बोहरा ने पांडातराई हाईस्कूल मैदान के पास नए उप तहसील भवन का शुभारंभ कर जनता की सेवा में समर्पित किया। इस सौगात के लिए विधायक भावना ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा का आभार व्यक्त किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इस सौगात से अब नगर व आस-पास के क्षेत्र में निवासरत परिवारों को भू-राजस्व एवं विभिन्न आवश्यक कार्यों के लिए अब दूर-दराज नहीं जाना होगा उनके गाँव के समीप ही अब उनकी इन सभी समस्याओं के समाधान की सुविधा उन्हें मिलेगी।

विधायक भावना ने कहा कि उप तहसील की स्थापना हमारे क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर है। यह एक ऐसा केंद्र है जो प्रशासन को जनता के और करीब लाता है। पहले, छोटे-छोटे प्रशासनिक कार्यों, जैसे जमीन के दस्तावेज, रजिस्ट्री, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, या अन्य सरकारी सेवाओं के लिए, हमारे क्षेत्रवासियों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। इससे समय, धन, और ऊर्जा की बर्बादी होती थी। लेकिन अब, इस उप तहसील के खुलने से ये सभी सेवाएँ आपके अपने क्षेत्र में, आपके द्वार पर उपलब्ध होंगी। विशेष रूप से हमारी बहनें और बुजुर्ग, जो लंबी यात्रा करने में असमर्थ होते हैं, अब आसानी से अपनी जरूरतों को पूरा कर सकेंगे। उप तहसील के खुलने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इस उप तहसील की स्थापना से यहाँ कार्यरत कर्मचारी, नगर के छोटे व्यवसाय एवं व्यापारियों और स्थानीय बाजार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि यह उप तहसील केवल एक कार्यालय नहीं है, बल्कि यह सरकार और जनता के बीच एक सेतु है। यहाँ न केवल प्रशासनिक सेवाएँ मिलेंगी, बल्कि जनता की समस्याओं, शिकायतों, और सुझावों को भी सुना जाएगा। हमारा लक्ष्य है कि यह उप तहसील एक ऐसी जगह बने, जहाँ हर व्यक्ति को सम्मान, सुविधा, और समाधान मिले। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यहाँ कार्यरत कर्मचारी जनता की सेवा में तत्पर रहें और आपकी हर समस्या का समाधान त्वरित और प्रभावी ढंग से हो। यह उप तहसील न केवल प्रशासनिक सुविधाओं का केंद्र बनेगा, बल्कि यह हमारे क्षेत्र की प्रगति, समृद्धि, और एकजुटता का प्रतीक भी बनेगा। भावना बोहरा ने कहा कि इसकी स्थापना से सबसे ज्यादा किसानों को लाभ मिलेगा इसके साथ ही खसरा, खतौनी और नक्शा, जमीन का बँटवारा, नामांतरण, जमाबंदी लगान और राजस्व वसूली, ऋण मुक्ति प्रमाण पत्र, स्थानीय स्तर पर लोगों की शिकायतों का समाधान, जैसे भूमि विवाद, सरकारी योजनाओं में समस्याएँ, या अन्य प्रशासनिक कार्यों का सुचारू रूप से समाधान सुनिश्चित होगा।

छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजुकेशन की नई कमेटी के पद भार संभालने के पहले तनाव ग्रस्त दिखा बर्जेस का माहौल

बिलासपुर (समय दर्शन)। 29 सितंबर को रजिस्टर कोर्ट से छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़एजुकेशन की 2022 वाली समिति को पुन: मान्यता मिल गई। इस समिति के उपाध्यक्ष अतुल आर्थर और सचिव शशि वाघे है। बिलासपुर में इस समिति के अंतर्गत बर्जेस स्कूल और बृहस्पति बाजार का मिशन स्कूल आते हैं। जब हमने इस नए आदेश के परिपेक्ष में बर्जेस स्कूल का दौरा किया तो स्कूल के गेट पर एक गार्ड और दो दंडा धारी बाउंसर को बैठे पाया बाउंसर पहले नहीं होते थे स्कूल की प्राचार्य हंसा दास ने हमसे मिलने के पूर्व परिसर में स्थित पूर्व समिति जिसे खत्म किया गया है के पदाधिकारीयों को बुला लिया। समिति की कार्यकारिणी में हंसा दास भी सदस्य है अर्थात वह दोहरा प्रभार रखती है। बर्जेस स्कूल की प्राचार्य और छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़एजुकेशन की कार्यकारिणी सदस्य उन्होंने कहा कि शासन का आदेश सब के लिए मान्य है और हम उसे आदेश से बंधे हुए हैं। स्कूल में पढ़ाई सामान्य तरीके से चल रही थी पर स्टाफऔर कर्मचारियों के चेहरे पर तनाव देखा जा सकता है।

छत्तीसगढ़ की सुख समृद्धि , भाईचारे व उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की गई

शरद पूर्णिमा पर दादाबाड़ी में दादागुरुदेव महापूजन में सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया

रायपुर। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर दादागुरुदेव के महापूजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर दादागुरुदेव महापूजन पश्चात पारम्परिक चिपडा, रेवड़ी व खीर की गुरुप्रसादी से श्रद्धालुओं ने एकदूसरे को बधाई दी एवं छत्तीसगढ़ की सुख समृद्धि , भाईचारे व उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की गई। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर के आशीर्वाद से लौकिक पर्व दीपावली 20 अक्टूबर, भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण कल्याणक 21 अक्टूबर को मनाया जावेगा। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण व गौतम स्वामी जी के कैवल्य प्राप्ति पश्चात जिनमंदिर के पट्ट 22 अक्टूबर को प्रात: 6 बजे खुलेंगे व श्रद्धालू प्रथम दर्शन कर सकेंगे । जिनमंदिर में निर्वाण लड्डू चढ़ाया जावेगा । पश्चात गुरुभगवंत द्वारा गौतम रासा का वांचन होगा । ज्ञान पंचमी के शुभ अवसर पर 26 अक्टूबर रविवार को सम्यक ज्ञान की आराधना की जावेगी। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के महासचिव महेन्द्र कोचर ने जानकारी देते हुए बताया कि पूजा का प्रारंभ लाभार्थी परिवारों द्वारा स्थापना के विधान द्वारा हुआ फिर संगीत की स्वर लहरियों व भाव पूर्ण बोल नवकार मंत्र है प्यारा इसने सबको है तारा के साथ भजन गायको ने गुरु के चमत्कारों का बखान करते हुए चौपाइयों गुरु परतीक रूप सुगुरु सम दूजो तो नही व डूबती जहाज भक्त की तारी पंखी रूप धरयो हितकारी के द्वारा अध्यक्ष संतोष बैद ने समा बांध दिया , प्रसिद्ध गायक वर्धमान चोपड़ा व निर्मल पारख ने मेरी लगी गुरु संग प्रीत दुनिया क्या जाने के बोलो से भक्ति रस की गंगा प्रवाहित कर दी । बड़ी पूजा में नवहन जल चन्दन धूप दीप अक्षत फल फूल वस्त्र पूजा व ध्वज पूजा के विधानों को पूर्ण विधि विधान व मन्त्रोच्चारण से सम्पन्न किया गया पूजा का समापन आरती व मंगल दीपक के द्वारा हुआ।

संक्षिप्त समाचार

पीएम आवास योजना से सुखमनिया के परिवार को मिला पक्का मकान

रायपुर। दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में निवास करने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की सुखमनिया बाई को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पक्का मकान मिल गया है। सुखमनिया बाई बताती हैं कि मेरा जीवन कच्चे मकान में निकल गया, शासन की यह योजना मेरे परिवार के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आगे आने वाले समय में मेरे नाती- पोतों को पक्के मकान में रहने का सुख मिलेगा, यह सोचकर ही मुझे खुशी मिलती है। सरगुजा जिले के जनपद पंचायत बतौली के ग्राम पंचायत गोविंदपुर में पहले अपने कच्चे मकान में परिवार के साथ रहने वाली सुखमनिया बाई को वर्ष 2024-25 में पक्का आवास निर्माण के लिए स्वीकृति प्राप्त हुई। उन्होंने शासन की मदद से मेहनत और लगन के साथ नया घर बनवाया। उन्होंने बताया कि पहले जहां कच्ची मिट्टी की दीवारों, खपरैल की छत वाला घर हुआ करता था। आज वहां पक्की ईंटो की दीवार, सुंदर स्वच्छ फर्श, पक्के छत वाला मकान बनकर तैयार है। अब कीड़े-मकोड़े, सीलन, बारिश में टपकती छत से डर नहीं लगता। सुखमनिया बाई कहतीं हैं कि हमने कभी नहीं सोचा था कि हम स्वयं का पक्का मकान बना पाएंगे, क्योंकि थोड़ी बहुत खेती बाड़ी से केवल घर खर्च चल पाता है। लेकिन आज शासन की इस योजना से पक्का घर भी बन गया और खुशी-खुशी जीवन बसर कर रही है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया।

राज्यपाल श्री रमेन डेका के हाथों कोरिया में हुआ सम्भाग के पहले स्पेस एजुकेशन लैब का लोकार्पण

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज कोरिया जिले के प्रवास के दौरान बैकुंठपुर स्थित शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सम्भाग के पहले स्पेस एजुकेशन लैब का लोकार्पण किया। यह अत्याधुनिक लैब भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के नाम पर समर्पित किया गया है। डीएमएफ मद के सहयोग से स्थापित यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों में अंतरिक्ष, भौतिकी, भूगोल और प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने विद्यालय की छात्राओं से लैब के तकनीकी पक्षों के बारे में जानकारी ली। कक्षा नवमीं की छात्रा अनुजा ने ऐरोहब मॉडल का प्रदर्शन किया, वहीं कक्षा बारहवीं की उन्नति ने वर्चुअल रियलिटी के उपयोग को समझाया। अन्य छात्राओं ने भी अंतरिक्ष से संबंधित उपकरणों और मॉडलों के कार्यों का जीवंत प्रदर्शन किया। राज्यपाल श्री डेका ने छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है। विज्ञान से होने वाले लाभ और उसके प्रभाव से कोई इंकार नहीं कर सकता। यह लैब न केवल अंतरिक्ष विज्ञान बल्कि अन्य विज्ञान विषयों में भी विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने इस पहल की प्रशंसा करते हुए जिला प्रशासन को बधाई दी और उन्होंने लैब के लिए ड्रोन, स्मार्ट बोर्ड एवं प्रोजेक्टर उपलब्ध कराने की सहमति दी।

आदि कर्मयोगी शिविर में मेघनाथ को मिली राहत

रायपुर। आदि कर्मयोगी अभियान के तहत जिले के जनजातीय बाहुल्य गांव में आदि सेवा पर्व के दौरान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामवासियों की मांगों एवं समस्याओं को लेकर आवेदन प्राप्त हुये और कई आवेदनों का त्वरित निराकरण भी किया गया। इसी क्रम में ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में आयोजित शिविर में कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि के समक्ष मेघनाथ बघेल ने पेंशन की राशि खाते में जमा नहीं होने की जानकारी दी थी। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को मामले की जांच कर राशि दिलाने हेतु निर्देशित किया था। जांच करने पर पाया गया कि पेंशन की राशि जिला सहकारी बैंक में जमा हो रहा था, जिसकी उन्हें जानकारी नहीं थी। समाज कल्याण विभाग के अधिकारी के द्वारा हितग्राही श्री मेघनाथ को 10 महीने की पेंशन की राशि का भुगतान कराया गया।

गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी रेल लाइन परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल की

छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र को मिलेगा लाभ

रायपुर। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने भारतीय रेलवे की चार मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी कुल अनुमानित लागत ?24,634 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के नेटवर्क में लगभग 894 किलोमीटर की वृद्धि होगी ।

इन चार परियोजनाओं में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदियाङ्कडोंगरगढ़ खंड (84 किलोमीटर, ?2,223 करोड़) की चौथी रेल लाइन परियोजना भी शामिल है, जो महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ राज्यों से होकर गुजरती है । यह खंड पूर्व, मध्य और पश्चिम भारत को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण यात्री एवं माल यातायात मार्ग पर स्थित है ।

यह परियोजना राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) और गोंदिया (महाराष्ट्र) जिलों से होकर गुजरती है, जिनमें से राजनांदगांव एक आकांक्षी जिला है । इस खंड से हज़ारा जलप्रपात, नवेगांव राष्ट्रीय उद्यान, बम्लेश्वरी मंदिर, डोंगरगढ़ धारा रिज़र्व फ़ॉरेस्ट जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को भी बेहतर रेल संपर्क मिलेगा, जिससे क्षेत्र में पर्यटन को नया प्रोत्साहन मिलेगा ।

परियोजना की प्रमुख विशेषताएं: मार्ग लंबाई: 84 किलोमीटर

अनुमानित लागत: ?2,223 करोड़

निर्माण अवधि: 5 वर्ष

रेलवे पुलों की संख्या: 15 मेजर एवं 123 माइनर

टनल: 1

रोड ओवर ब्रिज: 3

रोड अंडर ब्रिज: 22

अतिरिक्त माल यातायात क्षमता: 30.6 मिलियन टन प्रति वर्ष

CO_2 उत्सर्जन में कमी: 23 करोड़ किलोग्राम प्रति वर्ष (लगभग 1 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर)

डीज़ल बचत: 4.6 करोड़ लीटर प्रति वर्ष

लॉजिस्टिक लागत में बचत: 514 करोड़ प्रति वर्ष

मल्टी-ट्रैकिंग से लाइन क्षमता और गतिशीलता में वृद्धि होगी, जिससे निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित होगा । यह परियोजना पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य एकीकृत योजना द्वारा मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है । यह पहल न केवल क्षेत्रीय विकास में सहायक होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता, और रोजगार/स्वरोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा देगी।

प्रयासम की अध्यक्ष श्रीमती अरुणा यादव सम्मानित

रायपुर की प्रतिष्ठित अग्रणी संस्था महाराष्ट्र मंडल के 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में सर्वसमाज के सक्रिय अध्यक्ष + महासचिव को सांस्कृतिक महोत्सव की संगोष्ठी में अपने विचार रखने के लिए आमंत्रित किया गया था ।। परिचर्चा का विषय था- सामाजिक कार्यों से सबका मन कैसे जीते9 जिससे समाज सुंदर हो !!

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील यादव महासंघ की महिला इकाई ज़्प्रयासमज़ की अध्यक्ष श्रीमती अरुणा श्रीकांत यादव ने चर्चा में भाग लेकर समसामयिक विषय पर अपने दमदार उदबोधन से लोगों का दिल जीता और वाहवाही बटोरी ।। संगोष्ठी में सहभागिता से माहौल को उत्साहवर्धक तथा जीवंत बनाने वाले सभी प्रतिनिधियों के साथ 卐श्रीमती अरुणा卐 को महाराष्ट्र मंडल के आदरणीय अध्यक्ष अजय काले जी एवं उपाध्यक्ष श्रीमती गीता दलाल ने सम्मानित किया ।।

राज्यपाल ने कोरिया में पीनट बटर हनी फ्लेवर्ड उत्पाद का किया शुभारंभ

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कोरिया जिले में कृषि विज्ञान केंद्र और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से तैयार किया गया पीनट बटर-हनी फ्लेवर्ड उत्पाद का शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री डेका ने उत्पाद की गुणवत्ता, स्वाद और पैकेजिंग की सराहना करते हुए कहा कि यह उत्पाद कोरिया जिले की सृजनात्मक सोच और कृषि नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है।

शक्कर की जगह शहद का उपयोग इस पीनट बटर को और भी पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक बनाता है। राज्यपाल ने कहा कि पिछले कोरिया प्रवास के दौरान उन्होंने सोनहनी शहद उत्पाद का भी शुभारंभ किया था। उन्होंने कहा कि यह दूसरा उत्पाद सोनहनी की तरह ही किसानों के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ा कदम है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि इस पहल से किसानों को बेहतर बाजार मूल्य मिलेगा और स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि प्रोटीन वर्ल्ड की इस दुनिया में कोरिया का 'पीनट बटर' एक नायाब शुरुआत है। यह उत्पाद न केवल स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है, बल्कि 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को भी सशक्त करता है।

10 स्वर्ण पदक के साथ बस्तर संभाग में रहा अग्रणी

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, कोंडागांव ने जूडो में लहराया परचम

रायपुर। दुर्ग में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, कोंडागांव (बस्तर संभाग) के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित किया है। विद्यालय के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 10 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक अर्जित कर बस्तर संभाग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

पूरे बस्तर संभाग को कुल 21 स्वर्ण पदक प्राप्त हुए, जिनमें से अकेले स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, कोंडागांव के खिलाड़ियों ने 10 स्वर्ण पदक हासिल किए। यह उपलब्धि विद्यालय के खेल प्रशिक्षण और विद्यार्थियों की लगन का प्रमाण है।

विद्यालय की अंडर-17 वर्ग की स्वर्ण पदक विजेता हेमबती नाग ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई है। उन्हें खेल के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि जिले और पूरे बस्तर संभाग के लिए गौरव का क्षण रहा।

विद्यालय के प्राचार्य श्री पी.एस. डेनियल ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षिका को बधाई देते हुए कहा कि - यह सफलता हमारे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम है। विद्यालय ऐसी प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग और प्रोत्साहन देता रहेगा।

खेल प्रशिक्षिका श्रीमती सुधा तिवारी (पी.टी.आई.) ने बताया कि बच्चों ने लगातार अभ्यास और टीम भावना के बल पर यह उपलब्धि अर्जित की है। उन्होंने कहा कि यह सफलता आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

विद्यालय परिवार ने विजेता खिलाड़ियों का भव्य स्वागत कर सम्मान किया। शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि संपूर्ण बस्तर संभाग के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

संपादकीय

बात है मुद्दे की

बिहार में जारी अंतिम मतदाता सूची में ज्यादा खामियां नहीं हैं, तो अब 'वोट चोरी' के मुद्दे पर विराम लग जाएगा। वैसे भी यह मुद्दा विपक्षी कार्यकर्ताओं को जितना गोलबंद कर पाया, आम मतदाताओं पर इसका उतना असर नहीं दिखा था। बिहार में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरा होने के बाद अंतिम मतदाता सूची को जारी कर दिया गया है। हालांकि राष्टीय जनता दल ने कहा है कि वह बूथ-वार समीक्षा के बाद अपनी विस्तृत राय बताएगा, मगर शुरुआती प्रतिक्रियाओं के मुताबिक विपक्षी दल मोटे तौर पर अंतिम सूची से संतुष्ट नजर आए हैं। आरजेडी, सीपीआई (माले) और कांग्रेस नेताओं ने दावा किया है कि उनके अभियान ने मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरफेर के मकसद को नाकाम कर दिया। अंतिम सूची के मुताबिक लगभग 68 लाख नाम हटाए गए, जबकि 21 लाख से अधिक नए नाम जोड़े गए। नतीजतन, पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में अगले विधानसभा चुनाव में तकरीबन 47 लाख कम वोटर होंगे। इस सूची में अगर ज्यादा खामियां नहीं हैं, तो कम-से-कम बिहार में अब 'वोट चोरी' के मुद्दे पर विराम लग जाएगा। वैसे भी यह मुद्दा विपक्षी कार्यकर्ताओं को जितना गोलबंद कर पाया, आम मतदाताओं पर इसका उतना असर नहीं दिख रहा था। तो अब समस्या आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन के सामने चुनावी कथानक की है। आरजेडी और कांग्रेस ने पहले जातीय जनगणना की मांग को सहारा बनाने की कोशिश की। मगर केंद्र ने इसका एलान कर यह मुद्दा उनसे छीन लिया। तो वोट चोरी के इल्जाम पर महागठबंधन ने खुद को केंद्रित किया। चूंकि निर्वाचन आयोग ने प्रावधान कर दिया है कि आगे मतदाता सूची में बदलाव की अर्जी आधार से जुड़े फोन नंबर से ही दी जा सकेगी, पोस्टल बैलेट की गिनती के बाद ईवीएम की मतगणना पूरी की जाएगी और अब कमोबेश एसआईआर भी ठीक-ठाक हो गया है, तो चुनाव से ठीक पहले महागठबंधन मुद्दा-विहीन हो गया दिखता है। दूसरी तरफ सत्ताधारी एनडीए ने रेवड़ियां बांट कर अपने शासन की खामियों और प्रशासन के खोट को भरने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए हैँ। प्रशांत किशोर के जन सुराज ने शिक्षा और पलायन के अपने मुख्य मुद्दे के साथ-साथ सत्ताधारी नेताओं के खिलाफ आरोपों की आक्रामक झड़ी लगाकर कम-से-कम नैरेटिव्स में अपनी एक खास जगह बना ली है। इसके बावजूद महागठबंधन की नैया पार लगती है, तो वैसा घोर एंटी-इन्कंबैंसी से ही हो सकता है।

रिलीजन और रिलेजनशिप में अंतर का भाव , और ऊपरी आवरण

भारत में अभी भी गांव गांव में रामलीला का आयोजन किया जाता है और लोग देखने भी जाते हैं।यह सिलसिला आदि कल 400 वर्षों से हो रहा है।अब लोगों को इसमें नया पन नहीं लगता है। लेकिन लोग नित कुछ नया चाहते हैं। प्रायः लोग रामलीला देखने जाते हैं और ओंगना या सो जाते हैं। क्योंकि उसमें नया पन नहीं है। यद्यपि वह रामलीला धार्मिक है लेकिन लोगों की धार्मिकता नहीं है। धार्मिक होना ऊपरी आवरण जबकि धार्मिकता मन के अंदर की अनुभूति होती है।यही अंतर है दोनों में जैसे लिपिस्टिक लगाने से औरत का स्वास्थ्य नहीं बदलता बल्कि उसका ऊपरी आवरण दिखाई देता है। लेकिन मन का सोच अलग है वह आवरण नहीं है।

गांव में रामलीला चल रही थी सब देखने जाते थे जिसमें बच्चे, स्कूल टीचर, प्राचार्य,सभी शामिल थे।इसी दौरान विद्यालय में दिन में स्कूल निरीक्षक का दौरा हुआ । विद्यालय के टीचर ने सोचा कि जब सब रामलीला देखने जाते हैं तो अच्छा है कि निरीक्षक रामलीला से संबंधित प्रश्न ही पूछ लें क्योंकि उसे आशा थी कि सभी उत्तर दे देंगे तो स्कूल निरीक्षक ने भी कहा कि ठीक है।उसने कक्षा में पूछा कि शिव जी का धनुष किसने तोड़ा था।तो एक छात्र ने अपना हाथ ऊपर उठा लिया जो सबसे गधा था ।उस छात्र ने कहा कि में पहले ही बता देना चाहता हूं कि मैने शिवजी का धनुष नहीं तोड़ा।इस पर निरीक्षक से शिक्षक ने कहा कि साहब यह गलत कह रहा है कि इसने शिवजी का धनुष नहीं तोड़ा है बल्कि वह बहुत उदंत है।सब इसी ने तोड़ा है,यहां तक कि मेरी कुर्सी भी । निरीक्षक हतप्रभ,उसने कमरे में जाकर प्राचार्य से पूछा कि शिवजी का धनुष किसने तोड़ा तो प्राचार्य ने कहा कि बहुत से बच्चे स्कूल में पढ़ते किसी ने तोड़ दिया होगा, बच्चे है उद्भम मचाते रहते हैं।आप परेशान न हों । निरीक्षक हतप्रभ कि यह कैसी रामलीला है जो कुएं में भंग पड़ी है।वह दौड़ कर मुनुस्पल दफ्तर गया जो स्कूल चलाता था और उसने रामकथा सुनाई तो अध्यक्ष बोले शिवजी का धनुष किसी ने तोड़ दिया है तो हम उसे जुड़वा देंगे और आप कहीको चिंता कर रहे हो। कितना बड़ा धनुष था । और शिवजी बावजी से हमे क्या लेना देना ।कौन है शिवजी ।

यह हाल है रामलीला के । रामलीला देखने जाने वाले ऊब गए हैं कि क्या देखना रामलीला को सब वही तो है नया पन कुछ नहीं है।यह ऊपरी आवरण है इसे रिलीजन कह सकते है जो समाज,परिवार, समूह से मिला हुआ है कि वह हिन्दू है या मुसलमान है।यह आंतरिक नहीं है जो रिलिजनशिप है।

जो अंदर की अनुभूति है और व्यक्ति का चरित्र भी है।

मनुष्य की अंतर आत्मा जब झकझोर देती है तो वह कुछ बातों की अनुभूति करता है तब ही उसे धार्मिकता का अहसास होता है। व्यक्ति श्मशान में अर्थी के साथ जाता है तो कुछ देर के लिए अंतःकरण में प्रवेश करता है लेकिन फिर वही दीन दुनियां की बातों में लग जाता है और ऊपरी आवरण में आ जाता है।

एक गांव की रामलीला में एक पहलवान हनुमान जी का पाठ करता था ऐसा वह हर साल करता था और उसमें कुछ भी नया पन नहीं था।हर साल वह लंका जलाता था।इस बार उसने सोचा कि क्यों न कुछ नया किया जाय तो हनुमानजी ने लंका के बजाय अयोध्या जला दी।अब पहलवाल जो ठहरा कोई क्या कहता।राम बना तो बालक था । इस बार हनुमान ने अपने अंतःकरण से अयोध्या जला दी।जबकि हर साल वह अपने बाहरी आवरण में ही रहता था।

साहस, समर्पण और शक्ति का संगम भारतीय वायुसेना

योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 93वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर वायुसेना अपनी शक्ति, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस मौके पर आयोजित भव्य एयर शो भारतीय वायुसेना की क्षमताओं और सामर्थ्य का प्रतीक बन जाता है। आसमान में वायुवीरों के करतब, फाइटर जेट्स और हेलीकॉप्टर्स के समकालिक युद्धाभ्यास को देखकर हर दर्शक रोमांच और गर्व से भर उठता है। वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स भारतीय आकाश को सुरक्षित रखने की अभेद्य शक्ति प्रदान करते हैं। वहीं सारंग जैसे हेलीकॉप्टरों के शो स्टंट्स, प्रचंड और ध्रुव जैसे लाइट और एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स, सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक और जगुआर जैसी भारी मशीनें वायुसेना की बहुपक्षीय क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं। इन एयरक्राफ्ट की उच्च तकनीकी क्षमताएं न केवल देश की सुरक्षा की गारंटी हैं बल्कि इसे वैश्विक मंच पर सम्मान और प्रतिष्ठा भी दिलाती हैं।

भारतीय वायुसेना दिवस का मुख्य उद्देश्य केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं है बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। एयर शो के माध्यम से युवा पीढ़ी वायुसेना की चुनौतीपूर्ण, साहसिक और सम्मानजनक भूमिका के बारे में जानती है और उनके मन में देश सेवा के प्रति उत्साह जागृत होता है। आज भारतीय वायुसेना न केवल सीमा रक्षा में सक्षम है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता देने में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। यह स्थापना दिवस भारतीय वायुसेना की समर्पित सेवा, साहस और तकनीकी दक्षता का उत्सव है, जो हमें यह याद दिलाता है कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव का सूर्य सदैव चमकता रहेगा।

भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं।

भारत के मुकाबले चीन के पास भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं।

एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है।

मुंबई हमलों 26/11 पर पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम के बयान का अर्थ

अजय दीक्षित

2008 में 26 नवम्बर को मुंबई के ताज होटल और बंबई रेलवे स्टेशन, सहित 7 स्थानों पर हुए पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमलें पर बोलते हुए तत्कालीन गृह मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि अमेरिका के कहने पर पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई नहीं की ।यह फैसला तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने अमेरिका की तत्कालीन विदेश मंत्री कंडोला राइस के दिल्ली में मुलाकात के बाद लिया जबकि वे पी चिदंबरम चाहते थे कि भारत को पाकिस्तान को सैन्य ताकत से जवाब देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इन हमलों में 200 से अधिक लोगों को पाकिस्तान से आए आतंकियों ने मौत के घाट उतार दिया था जिसमें से एक आतंकी मोहम्मद कसाब को मुंबई पुलिस ने जिंदा पकड़ लिया था जिसे 2012 में फांसी दी गई थी। तत्कालीन गृह मंत्री शिवराज को हटाकर तत्कालीन वित्तमंत्री

पी चिदंबरम को 26 नवंबर को गृह मंत्री बनाया था । सत्रह साल बाद पी चिदंबरम ने उस समय उक्त बात स्वीकार की है जब अप्रैल 2025 में पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा की गई पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्यवाही की और कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेना पर सवाल उठा रहे हैं।यह भी पूछ रहे हैं कि युद्ध में भारत कितने लड़ाकू विमान नष्ट हुए ।

पी चिदंबरम ने अमेरिका के दबाव में तत्कालीन समय में मुंबई हमलों के बाद 2008 में कार्यवाही न करने की बात कह कर जैसे कांग्रेस की पोल खोली दी हो। तत्कालीन हालातों पर गौर करें तो उस दिन मुंबई पुलिस के एक बड़े आइपीएस अधिकारी हेमंत करकरे, और कई छोटे बड़े पुलिस बल के लोग भी मारे गए थे और पकड़े गए कसाब ने ही उस समय मारे थे जब कसाब को जिंदा पकड़ ने की कोशिश हो रही थी। आतंकी मोहम्मद कसाब ने बताया था कि वह करांची के रास्ते समुद के माध्यम से 14 आतंकियों के साथ आया था और उसकी ट्रेनिंग मुजफ्फराबाद में हुई थी और पाकिस्तान के सेना ने दी। तत्कालीन समय में इतने पुख्ता सबूत मौजूद थे लेकिन फिर भी भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व मनमोहन सिंह ने पाकिस्तान पर कोई सार्थक कारवाही नही की ।यह राज तब तक राज था जब तक कि पी चिदंबरम ने इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया। कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व जवाहर लाल नेहरू ने 1962 में चीन युद्ध के दौरान भी बहुत ढुलमुल रवैया अपनाया था और सारा ठीकरा कृष्ण मेनन के सिर फोड़ दिया। यद्यपि 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान को सबक सिखाया था। अगर गंभीरता से पी चिदंबरम के कथन की विवेचना करे तो यह समय कांग्रेस की भीतरखाने ठीक नहीं है। वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी की कहानी है।जो गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी, शशि थरूर से पी चिदंबरम तक पहुंची है। राहुल गांधी आजकल राजनीतिक व्यवस्था से जैसे ऊब गए हो द्द्रठ्ठ5 की बाते कर रहे हैं,चुनाव आयोग को निशाना बनाना चाहते हैं कैसे भी भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी को हटाना चाहते हैं चाहे वह रास्ता बांग्लादेश से नेपाल हो कर जाय।राहुल गांधी कांग्रेस के तीन चुनाव 2014,2019,2024, हारने से हतोत्साहित मुद्रा में हैं और राज्यों में भी कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, झारखंड तमिलनाडु में सरकार में है । झारखंड, तमिलनाडु,में जेएमएम,डीएमके के भरोसे है ।243 की राज्य सभा में अब मात्र 31 सांसद हैं।

ऐसे माहौल में राहुल गांधी का जो हाल है वह अप्रत्याशित नहीं है। राज्यों मप्र, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तराखंड, कश्मीर, लद्दाख, बिहार पश्चिमी बंगाल असम, नागालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, छत्तीसगढ़,के कांग्रेस का नेतृत्व टूट रहा है और पी चिदंबरम भी उसी पीड़ा के परिणाम है।

खाने में मिलावट से भी घातक: थूक लगाकर रोटियाँ परोसने की भयावह प्रवृत्ति

सुरेश गोयल धूप वाला

देश के अलग-अलग हिस्सों से आए दिन ऐसी घटनाएँ सामने आ रही हैं, जो समाज को अंदर तक झकझोर देती हैं। भोजनालयों, ढाबों और होटलों में ग्राहकों को परोसे जाने वाले भोजन की स्वच्छता और पवित्रता पर हमेशा से सवाल उठते रहे हैं। लेकिन हाल के वर्षों में जिस तरह से थूक लगाकर रोटी परोसने जैसी शर्मनाक घटनाओं का सिलसिला बढ़ा है, वह सिर्फ स्वास्थ्य के लिए खतरनाक नहीं बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल भोजन से खिलवाड़ नहीं बल्कि एक प्रकार का मानसिक और धार्मिक आघात है, जो जनमानस की भावनाओं को गहराई तक आहत करता है।

गाजियाबाद का ताज़ा मामला- हाल ही में गाजियाबाद के लोनी इलाके के प्रसिद्ध करीम होटल से ऐसा ही मामला सामने आया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें रोटी बनाने वाला कारीगर तंदूर में डालने से पहले उस पर थूकता हुआ दिखाई दे रहा था। वीडियो सामने आते ही लोगों में आक्रोश फैल गया। होटल मालिक और संबंधित कारीगर के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई तथा प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई आरंभ की। पुलिस व खाद्य सुरक्षा विभाग ने मामले का संज्ञान लेते हुए जाँच शुरू की और यह स्पष्ट कर दिया कि ऐसे मामलों में अब ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

हिमाचल के बद्दी का चौंकाने वाला वीडियो- इसी प्रकार हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के औद्योगिक नगर बद्दी में भी एक चौंकाने वाला वीडियो वायरल हुआ। साईं रोड स्थित मशहूर मदीना ढाबा और शमा चिकन कॉर्नर पर रोटियाँ बनाते समय कुक बार-बार उनमें थूकता हुआ कैमरे में कैद हुआ। राहगीरों द्वारा बनाए गए इस वीडियो ने स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी पैदा कर दी। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ढाबा संचालक मोहम्मद मुस्ताज और कर्मचारी मोहम्मद निज़ाम को गिरफ्तार किया तथा उन पर बीमारी या संक्रमण फैलाने संबंधी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने भी मौके पर पहुँचकर खाद्य सामग्री के सैंपल लिए और जांच शुरू कर दी। यह मामला केवल स्वास्थ्य सुरक्षा का नहीं बल्कि जनविश्वास से भी जुड़ा हुआ है, जो इस तरह की हरकतों से गहरा आहत हुआ है।

बागपत और गाजियाबाद में भी दोहराई गई शर्मनाक हरकत- उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के खेकड़ा कस्बे में भी एक ढाबे पर इसी प्रकार का मामला सामने आया। यहाँ एक ग्राहक ने अपने मोबाइल पर वीडियो बनाकर स्पष्ट किया कि कारीगर

रोटियों पर थूक रहा है और वही ग्राहकों को परोसी जा रही हैं। पुलिस ने तत्काल आरोपी अनस को गिरफ्तार किया और उस पर भारतीय दंड संहिता तथा खाद्य सुरक्षा कानून की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया। इससे पहले भी गाजियाबाद में इसी प्रकार की घटनाएँ सामने आ चुकी हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि यह कोई एक-दो स्थानों तक सीमित समस्या नहीं बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति बनती जा रही है।

कानून और प्रशासन की जिम्मेदारी- यह तथ्य चिंताजनक है कि इन घटनाओं के सामने आने के बाद ही प्रशासन हरकत में आता है। सवाल यह है कि क्या खाद्य सुरक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन को नियमित जांच और निगरानी नहीं करनी चाहिए? जब तक घटनाएँ सामने आकर जनता का गुस्सा नहीं भड़कता, तब तक ऐसे ढाबे और होटल फलते-फूलते रहते हैं। यह लापरवाही आम नागरिकों की जान से खिलवाड़ के बराबर है। ऐसे मामलों में केवल गिरफ्तारी ही पर्याप्त नहीं, बल्कि सख्त दंड और लंबे समय तक लाइसेंस निरस्तीकरण जैसी कार्यवाही आवश्यक है।

समाज पर प्रभाव और जनमानस की प्रतिक्रिया- भोजन भारतीय संस्कृति में न केवल पेट भरने का साधन है, बल्कि इसे प्रसाद और परंपरा का हिस्सा माना जाता है। ऐसे में भोजन के साथ इस तरह की गंदी हरकत न केवल शारीरिक बीमारियाँ फैला सकती है, बल्कि लोगों की धार्मिक और भावनात्मक भावनाओं को भी गहरा आघात पहुँचाती है। यही कारण है कि वीडियो सामने आते ही स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश दिखाई देता है और वे प्रशासन से कड़ी कार्यवाही की मांग करते हैं। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि भोजन में इस प्रकार की गंदगी मानवता के सबसे बुनियादी मूल्यों का अपमान है।

यह स्पष्ट है कि थूक लगाकर रोटी जैसी घटनाएँ केवल कानून तोड़ने का मामला नहीं बल्कि मानवता और सामाजिक आस्था के साथ खिलवाड़ है। यदि समय रहते इस पर कड़ी रोक नहीं लगाई गई तो यह प्रवृत्ति और अधिक फैल सकती है। प्रशासन, खाद्य सुरक्षा विभाग और समाज सभी को मिलकर ऐसी हरकतों के खिलाफ कठोर रुख अपनाना होगा। केवल दोषियों की गिरफ्तारी ही नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि भविष्य में कोई भी होटल या ढाबा ऐसी घृणित हरकत की जुर्रत न कर सके। भोजन की पवित्रता और स्वच्छता से खिलवाड़ किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

मानसिक चेतना से जुड़ी बीमारी कोमा

चिकित्सा क्षेत्र में कोमा व्यक्ति की मानसिक चेतना से जुड़ी बीमारी है, जो सिर पर गहरी चोट लगने या किसी लम्बी दिमागी बीमारी के फलस्वरूप होती है। कोमा में रोगी की चेतना खत्म हो जाती है। अगर रोगी कोमा से शीघ्र बाहर नहीं आता तो उसके लिए जानलेवा भी हो सकता है।

कोमा को मेडिकल में अनकॉन्श्यस माइंड या चेतनाहीन दिमाग कहते हैं। सामान्यत : कोमा गहरी नींद की स्थिति होती है, जिससे व्यक्ति को जगाया नहीं जा सकता और न ही उस पर दर्द या रोशनी आदि का कोई प्रभाव पड़ता है। कोमा में व्यक्ति का दिमाग चलता रहता है, उसे सुनाई और दिखाई भी देता है, पर उसका शारीरिक बल खत्म हो जाता है। इसके बहुत से कारण होते हैं, पर सबसे बड़ा कारण सिर पर गहरी चोट लगना है। कोमा कितने लंबे समय तक रहेगा, ये उसके होने का कारण, स्थान, फैलाव और मस्तिष्क के नुकसान की गंभीरता पर निर्भर रहता है। कोमा कुछ घंटों से कुछ महीनों तक रह सकता है। और उसकी समाप्ति, ठीक होकर या स्थाई निर्जीव अवस्था या मौत होकर हो सकती है। कुछ लोग, जो कोमा से बाहर आते हैं, उनमें स्थाई शारीरिक या मानसिक विकलांगता रहती है। कुछ लोगों को स्वास्थ्य लाभ के लिए कई साल लगते हैं और कुछ अपेक्षाकृत जल्दी ठीक होते हैं।

कोमा के लक्षण

एक कोमा में व्यक्ति अचेत और संवाद करने में असमर्थ होता है या वह प्रकाश, ध्वनि या दर्द का जवाब नहीं देता। व्यक्ति उसके हाथ और पैर असामान्य तरीके से फैला सकता है, लेकिन वो उद्देश्यपूर्ण गतिविधि प्रदर्शित नहीं करता। एक गहरे कोमा में, मस्तिष्क के सांस पर नियंत्रण रखने वाले क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं, और एक कृत्रिम श्वांस यंत्र (एक यांत्रिक श्वास मशीन) की व्यक्ति को जीवित रखने के लिए आवश्यकता हो सकती है।

प्रमुख कारण

- किसी दुर्घटना में शरीर व सिर पर गहरी चोट लगना।
- केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में जैब रोग हो जाना।
- मधुमेह या यूरीमिया जैसे रोग बढ़ना।
- किसी दवाई, कार्बनडाई आक्साइड, कार्बन मोनोआक्साइड आदि के प्रभाव के कारण।
- बहुत अधिक मात्र में क्लोरोफॉर्म सूंघने पर।

अनेक रोगों की दवा-इमली

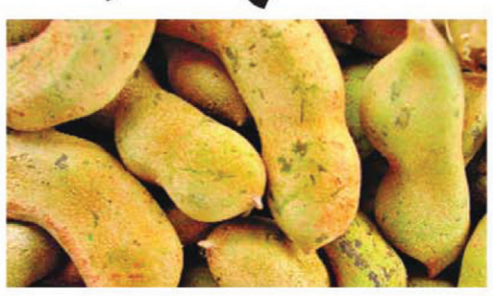

पुरानी इमली बहुत ही गुणकारी होती है। सूखी पुरानी इमली संदीपक, भेदक, हल्की, हृदय के लिए हितकारी, कफ एवं वात रोगों में पथ्यकारी तथा कृमिनाशक होती है। इसके बीज संग्रहणी, अतिसार, रक्तार्श, सोमरोग, प्रदर, प्रेमह, बिच्छू आदि विषैले जीवों के काटने के दर्द में उपयोगी है। इमली को हमेशा पानी में कांच या मिट्टी के पात्र में ही भिगोना चाहिये, तांबा, पीतल, कांसा या लोहे के पात्र में कभी नहीं।

इन बीमारियों को भगाएगी दूर

कब्ज : बहुत पुरानी इमली का शर्बत बनाकर पीने से कब्ज दूर होती है।
खाज-खुजली : इमली के बीज नींबू के रस में पीसकर लगाने से खाज दूर होती है।
लू लगना : गर्मी में एकदम बाहर निकलने से शरीर का जलीयांश शुष्क होकर तीव्र ज्वर हो जाता है। इसे लू लगना कहते हैं। इससे बचने के लिए लू के समय बाहर निकलने पर इमली का शर्बत पी लेने पर लू की आशंका नहीं रहती।
स्वप्नदोष : इमली के बीजों को चौगुने दूध में भिगोकर रख दें। दो दिन बाद छिलका निकालकर पीस लें। प्रतिदिन सुबह-शाम इसका सेवन करने से धातु पुष्ट होती है और स्वप्नदोष दूर होता है।
नपुंसकता : इमली के बीजों की गिरी, वटजटा, सिंघाड़ा, तालमखाना, कमरकस, कतीरागोंद, बबूल का गोंद, बीजबंद, समुद्रदोष, तुख्यमलंगा, काँच के बीच, रीठे की गिरी, छोटी इलाइयची प्रत्येक को 10-10 ग्राम की मात्रा में लेकर बारीक चूर्ण बना लें और समभाग मिश्री की चाशनी मिलाकर जमा दें। सुबह-शाम 6-6 माशा सेवन करने से और ऊपर से गाय का दूध पीने से वीर्यहीनता, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन मिटकर नपुंसकता दूर होती है।
श्वेत प्रदर : बिना ऋतुकाल स्त्री की योनि से सफेद, लाल नीला, पीला स्राव होता रहे तो यह प्रदर रोग समझना चाहिए। अप्राकृतिक भोजन, अजीर्ण, अतिमैथुन, गर्भस्राव, क्रोध, शोक, चिंता ज्यादा चटपटे पदार्थों के सेवन आदि से यह रोग होता है। यह रोग कई प्रकार का होता है। इससे स्त्री का शरीर दिनों दिन कमजोर और रक्तहीन होता चला जाता है। इससे बचने के लिए लोहे की छोटी कड़ाही या तवे पर थोड़ी रेत डालकर चूल्हे पर चढ़ाकर खूब गर्म करें। बाद में इमली के बीज इसमें डाल दें और कड़छी चलाते रहें। अधभुने हो जाने पर गर्म दशा में ही इनके छिलके निकाल लें। बीजों को लोहे के हमामदस्ते में अच्छी तरह पीसकर चूर्ण बना लें। इस चूर्ण के वजन के बराबर मिश्री या शक्कर मिला लें। प्रात :-सायं 1-2 तोले की मात्रा में गाय के दूध के साथ या पानी से कुछ दिन लगातार सेवन करने से श्वेत प्रदर का रोग समाप्त हो जाता है।

यदि हम इस रोग पर समय रहते ही ध्यान दें तो हम अपने छोटे से पर महत्वपूर्ण काम करने वाले दिल को संभाल सकते हैं। भारत में मांसाहार बढ़ने के कारण हमारे देश में हृदय में रोग की दर में भी बढ़ोतरी हुई है, जबकि विदेशों में लोग अब शाकाहार की ओर मुड़ रहे हैं। इसलिए उन देशों में हृदय रोग की दर में कमी आ रही है।

ये रखें सावधानियां

- शाकाहारी भोजन का सेवन करना चाहिए। शाकाहारी भोजन हृदय के लिये लाभदायक है।
- सरसों का शुद्ध तेल हृदय के लिए अच्छा माना जाता है। इसलिए भोजन में घी-मक्खन के स्थान पर रिफाइंड आयल और सरसों के तेल का ही प्रयोग करना चाहिए।
- जो लोग नाश्ते के तुरंत बाद काम के लिए निकल जाते हैं, उन्हें ध्यान रखना चाहिए वे हल्का नाश्ता लें। भारी नाश्ता हृदय पर दबाव डालता है। यदि भारी नाश्ता खाना पड़े तो उसके बाद कुछ आराम करें, तुरंत काम पर न निकलें।
- हृदय रोग से बचने के लिए शरीर को सक्रिय रखना बहुत जरूरी होता है। इसलिए व्यायाम और सैर को अपना साथी बना लें। सैर और व्यायाम करते समय मानसिक रूप से शांत रहें। ध्यान भी मानसिक तनाव को कम करता है।
- प्रतिस्पर्धा युग होने के कारण जब महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं होती तो लोग अक्सर अवसाद और मानसिक तनाव में आ जाते हैं। इसलिए महत्वाकांक्षाएं उतनी रखें, जिनको आप पूरा कर सकें या फिर यह सोच कर प्रयत्न करें कि पूरी नहीं होने पर पुन : उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे। निराश नहीं होंगे।
- सूर्य की रोशनी जब हरे पत्तों पर पड़ती है, तब प्रकाश संश्लेषण होने से हवा में आक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। इसका अर्थ है सुबह अंधेरे और देर रात तक घूमने के लिए न निकलें। सूर्योदय के बाद ही सैर के लिए जाएं।
- मानसिक तनाव रक्त की रसायनिक संरचना को बिगाड़ने में मदद करता है। तनावग्रस्त होने से हृदय पर अतिरिक्त जोर पड़ता है, जिससे रक्तचाप बढ़ता है और रक्त में एलडीएल बढ़ जाता है, जो हृदय के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है।
- भागदौड़ से स्वयं को दूर रखें। वैसे तो आज की मांग के अनुसार कम समय में अधिक काम करने पड़ते हैं, जिससे भागदौड़ करना स्वाभाविक होता है। भागदौड़ भी हृदय पर अतिरिक्त भार डालता है, जो हृदय हेतु गलत है। कामों को योजनाबद्ध तरीके से करें और काम पर पूरा ध्यान और समय दें, ताकि अंत में भागदौड़ न करना पड़ जाए।
- भोजन धीरे-धीरे चबाकर करना चाहिए और पेट को स्वाद के चक्कर में दूंसना नहीं चाहिए। अधिक भोजन सेवन करने से और जल्दी भोजन करने से भी हृदय पर जोर पड़ता है।
- हृदय के लिए सिगरेट, बीड़ी व शराब पीना सब हानिकारक हैं, इसलिए इन चीजों से परहेज ही करें।

संभालिए अपने दिल को

दिल से संबंधित बीमारियां दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं। अब तो हृदय रोग कम उम्र के लोगों में भी होता देखा जा रहा है। उसका मुख्य कारण जीवन में तनाव का बढ़ना है। हम सदैव तनाव से ग्रस्त रहते हैं। दूसरा कारण यह है कि हमारा खान-पान का तरीका गलत होता जा रहा है, जो हृदय रोगों को बढ़ावा दे रहा है।

उच्च रक्तचाप और मधुमेह हृदय रोग को बढ़ावा देते हैं। ऐसी शिकायत होने पर शीघ्र ही उचित इलाज करवाएं। रात्रि के खाने के बाद तुरंत टहलना नहीं चाहिए, इससे दिल पर जोर पड़ता है। कोई भी व्यायाम या सैर खाना खाने से पहले ही करें। खाना खाने के बाद कदापि न करें। खाने के बाद कुछ देर विश्राम अवश्य करें।

कुंवारे रहने से जा सकती है याददाश्त

यदि आप कुंवारे हैं तो सावधान हो जाइए, क्योंकि अधेड़ उम्र में पहुंचने पर आपकी याददाश्त गायब होने का खतरा हो सकता है। यह बात एक अध्ययन में कही गई है। अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ है कि विवाह विच्छेद के बाद अकेले रहने वाले लोगों के जीवन के अंतिम चरण में 'अल्जाइमर' की बीमारी का सामना करना पड़ सकता है।

स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट की एक टीम ने इस बारे में अध्ययन किया और जीवन के मध्य भाग में जीवन साथी के महत्व का पता लगाया। अनुसंधाकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया कि स्त्री-पुरुष तलाक के बाद अकेले रहते हैं उन्हें जिन्दगी के आखरी पड़ाव में 'अल्जाइमर' होने का तीन गुना अधिक खतरा रहता है। अध्ययन में पाया गया है कि कुंवारे तथा तलाकशुदा लोगों और विधुर अथवा विधवाओं में सामाजिक अकेलापन के चलते स्मृति और सुध-बुध खोने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

जीवन साथी को रखें खुश

लंदन के अखबार 'डेलीमेल' के अनुसार अध्ययन में एक हजार 498 लोगों को शामिल किया गया और उनसे उनके जीवन के मध्य भाग के संबंधों के स्तर के बारे में पूछा गया। इनसे 21 साल बाद संपर्क किया गया तो पता लगा कि 139 को 'स्मृति लोप' व 48 लोग 'अल्जाइमर' के शिकार पाए गए।

अकेला रहना पड़ सकता भारी

अनुसंधान टीम ने पाया कि जो लोग जीवन के मध्यम चरण में जीवन साथी के साथ रहते हैं उन्हें अकेले रहने वालों की तुलना में 'स्मृतिलोप' का 50 प्रतिशत कम खतरा रहता है। अध्ययन में पता लगा है कि तलाक के बाद जिन लोगों ने जिन्दगी अकेले गुजारी उन में यह खतरा तीन गुणा अधिक पाया गया।

पति-पत्नी का बेहतर संबंध

अनुसंधान कर्ताओं का कहना है कि युगल संबंध आमतौर पर सामाजिक और बौद्धिक प्रेरणा का सबसे अच्छा स्वरूप है। यदि सामाजिक और बौद्धिक संबंध स्मृति लोप से रक्षा कर सकता है तो लोगों को अपने जीवन साथी के साथ रहना चाहिए।

हरी पत्तियों से भगाएं रोगों को

आयुर्वेद चिकित्सा शास्त्र में पेड़-पौधों की पत्तियों को जीवन रक्षक बताया गया है। प्राचीनकाल में इन्हीं पत्तियों के सेवन से लोग अपनी बीमारियों को ठीक किया करते थे। आज भी महत्व उतना ही है, जितना प्राचीनकाल में था।

अमरूद की पत्तियां

- अमरूद के पत्तों को कूटकर, लुगदी बनाकर उसे गर्म करके लगाने से गठिया की सूजन दूर हो जाती है।
- अमरूद के पत्तों को पीसकर उसका रस निकालकर उसमें स्वादानुसार चीनी मिलाकर नित्य पीते रहने से स्वप्नदोष की बीमारी में लाभ होता है।
- अमरूद की ताजी पत्तियों का रस 10 से 20 मिली तक नित्य सुबह-शाम पीने से ल्यूकोरिया नामक बीमारी में अप्रत्याशित लाभ पहुंचाता है।

चंपा की पत्तियां

- चंपा फूल की पत्तियों को पीसकर उसमें बराबर मात्रा में पानी मिलाकर पीने से पित्त विकार, रक्त विकार एवं पेट के कृमियों में अत्यंत लाभ होता है।
- चंपा फूल की पत्तियों को चबाकर रस चूसने से दांत के कीड़े व पायरिया रोग में लाभ होता है।

अंजीर की पत्तियां

- अंजीर की पत्तियों के रस के सेवन से रक्तपित्त, रक्तविकार, वायुविकार आदि का नाश होता है तथा शरीर पुष्ट होता है।
- श्वेत कुष्ठ वाले स्थान पर अंजीर के पत्तों की लुगदी नित्य बदल-बदल कर लगाते रहने से लाभ होता है।

वृक्षों की पत्तियां अनेक गुणों से परिपूर्ण होती है। प्रकृति द्वारा प्रदत्त ये पत्तियां न सिर्फ हरियाली देती हैं, बल्कि इन पत्तियों में स्वास्थ्य रक्षा के अनेक सूत्र भी छिपे होते हैं। इन पत्तियों का उपयोग कर कई रोगों को ठीक किया जा सकता है।

बनफ्सा की पत्तियां

- बनफ्सा की पत्तियों को कुचलकर लुगदी बना लें और उसे घाव, सूजन, पर बांधने से तथा उसका काढ़ा बनाकर पीने से बुखार व मूत्र रोगों में फायदा होता है।

अन्नास की पत्तियां

- अन्नास की सफेद पत्तियों के ताजे रस में चीनी मिलाकर सेवन करने से पेट के कीड़े मर जाते हैं।
- यह विरेचन का काम भी करता है।
- इसके रस को अधिक मात्रा में पीने से उल्टियां हो सकती हैं।

चिरयता की पत्तियां

- ज्वर में चिरयता की पत्तियों को पीने से लाभ होता है।
- इसकी पत्तियों को पानी के साथ गर्म करके काढ़ा बनाकर पीने से ज्वर में तथा पत्तियों को भिगोकर उसके पानी को छानकर पीने से रक्त में स्थित दोष समाप्त हो जाते हैं।

चौलाई की पत्तियां

- चौलाई की पत्तियों को पानी के साथ उबालकर उस पानी में नमक डालकर पीने से पेट दर्द या दस्त साफ न आने में लाभ होता है।

पिपरमेंट की पत्तियां

- पिपरमेंट की पत्तियों के रस को सूंघने से सर्दी, सिरदर्द व जुकाम में अत्यन्त लाभ पहुंचाता है।

अडूसा की पत्तियां

- अडूसा की 3-4 पत्तियों को पीसकर उसका रस निकाल लें। रस में बराबर मात्रा में शहद मिलाकर दिन में तीन बार चाटने पर खांसी से आराम मिल जाता है।

लहसुन के पत्ते

- लहसुन के पत्तों को पीसकर दाद पर लगाते रहने से आराम होता है।

नींबू की पत्तियां

- नींबू की पत्तियों के रस को फोड़े-फुंसियों पर लगाते रहने से वे ठीक हो जाते हैं।

अनार की पत्तियां

- अनार की ताजी पत्तियों के साथ काली मिर्च (गोलकी) को पीसकर 100 ग्राम पानी में मिलाकर सुबह-शाम पीने से श्वेत प्रदर (ल्यूकोरिया) में अप्रत्याशित लाभ होता है।

आम की पत्तियां

- आम के पत्तों की भस्म जले हुए स्थान पर नारियल तेल में मिलाकर लगाने से आराम होता है।
- आम के पत्तियों को कुलचकर पानी में डालकर काढ़ा बनाकर पीते रहने से प्रदर की परेशानियों से मुक्ति मिलती है। इसमें स्वादानुसार चीनी मिलाई जा सकती है।

बिल्व पत्र

- बेल के पत्तों को पानी में पीसकर माथे पर लेप करने से मस्तिष्क की गर्मी शांत होती है तथा नींद खूब आती है। बेल की पत्तियां 15 नग, बादाम की गिरियां 2 नग तथा मिश्री 250 ग्राम को मिलाकर, पीसकर आंच पर पका लें। जब शर्बत की तरह बन जाये तो उतार कर ठंडा करके पीते रहने से एक माह के अंदर ही नपुसंकता दूर हो जाती है।

महिंद्रा ने नए डिज़ाइन, बेहतरीन इंटीरियर और आधुनिक सुविधाओं के साथ पेश की नई बोलेरो रेंज

मुंबई : भारत की अग्रणी एसयूवी विनिर्माता, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज बोलेरो की नई रेंज पेश की। नई बोलेरो की कीमत ? 7.99 लाख (शोरूम में) से शुरू होती है, और नए पेश किए गए टॉप-एंड (मंहगे) बी8 वेरिएंट की कीमत 9.69 लाख (शोरूम में) है। नई बोलेरो नियो की शुरुआती कीमत 8.49 लाख (एक्स-शोरूम) है, जबकि नए टॉप-एंड (मंहगे) वेरिएंट एन11 की कीमत 9.99 लाख (एक्स-शोरूम) है। इस लॉन्च के साथ, बोलेरो रेंज खूबसूरती, अधिक आराम और आधुनिक सुविधाओं के साथ अपना विशिष्ट आकर्षण बरकरार रखे हुए है। बोलेरो अपनी 25 साल की विरासत और 16 लाख से ज़्यादा संतुष्ट ग्राहकों के साथ, बहुउपयोगी एसयूवी बनी हुई है। यह शहर की व्यस्त सड़कों से लेकर ऊबड़-खाबड़ सड़कों वाले ग्रामीण इलाकों तक, विविध इलाकों में बेहतरीन प्रदर्शन करती है और असाधारण अनुकूलनशीलता तथा मूल्य प्रदान करती है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के ऑटोमोटिव डिवीजन के मुख्य कार्यकारी, नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा, बोलेरो समय की कसौटी पर खरी उतरी है और 25 साल से भी अधिक समय से भारत की सबसे बहुमुखी तथामज़बूत एसयूवी में से एक के रूप में अपनी जगह बनाए हुए है। इस स्थायी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, नई बोलेरो रेंज को गतिशील और तेज़ी से विकसित हो रहे नए भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। मज़बूती, समकालीन स्टाइल, अधिक आराम और आधुनिक सुविधाओं के शानदार मेल के साथ, नई बोलेरो और बोलेरो नियो शक्तिशाली एसयूवी का अनुभव प्रदान करती हैं जो शहरी परिवेश और चुनौतीपूर्ण इलाकों में समान रूप से कारगर है। नई बोलेरो अपनी असली मज़बूती के साथ बोल्ड डिज़ाइन, आधुनिक फीचर और बेहतर आराम का मिश्रण पेश करती है। नए बोल्ड ग्रिल, फॉग लैंप और डायमंड-कट अलॉय व्हील्स के साथ, बोलेरो भारत की मज़बूत और विश्वसनीय एसयूवी है। ज़्यादा बोल्ड और स्टाइलिश होने के कारण, यह उन लोगों के लिए आदर्श है जो आराम और विश्वसनीयता के साथ मज़बूत वाहन चाहते हैं।

रायपुर के निवेशकों का रुझान टाटा फ्लेक्सी कैप और टाटा मल्टी एसेट फंड्स की ओर, बाज़ार की अस्थिरता के बीच बढ़ा निवेश

रायपुर : हाल के महीनों में विदेशी फंडों के आउटफ्लो, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, वैश्विक व्यापार तनाव और असमान कॉर्पोरेट आय के चलते बाज़ार में अस्थिरता बनी हुई है। ऐसे समय में निवेशकों को ऐसी रणनीतियों की आवश्यकता होती है, जो विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखें। फ्लेक्सी कैप फंड और मल्टी एसेट एलोकेशन फंड अपने विविधीकरण और अनुकूलनशीलता के कारण लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं और निवेशकों को अनिश्चितताओं से निपटने में मदद कर रहे हैं।

टाटा एसेट मैनेजमेंट के फंड मैनेजर, अमेय साठे ने कहा, आज की बाज़ार अस्थिरता, जो बदलते वैश्विक संकेतों और क्षेत्रीय वैल्यूएशन गैप्स से प्रभावित है, ऐसी निवेश रणनीतियों की मांग करती है, जो लचीलेपन को विविधीकरण के साथ जोड़ती हों। फ्लेक्सी कैप फंड बड़े, मिड और स्मॉल कैप्स में गतिशील आवंटन के ज़रिए यह सुविधा प्रदान करते हैं, जबकि मल्टी एसेट एलोकेशन फंड इक्विटी, फिक्स्ड इनकम, सोना और कमोडिटीज़ में निवेश फैलाकर पोर्टफोलियो की मजबूती बढ़ाने का प्रयास करते हैं।

एएमएफआई के आंकड़ों के अनुसार, फ्लेक्सी कैप फंडों में शुद्ध निवेश 2025 (अगस्त तक) में दोगुना बढ़कर 46,867 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 22,751.3 करोड़ रुपये था। इसी अवधि में मल्टी एसेट एलोकेशन फंडों ने 23,989.3 करोड़ रुपये आकर्षित किए, जो हाइब्रिड श्रेणियों में दूसरा सबसे अधिक है। इसी रुझान को दर्शाते हुए, टाटा फ्लेक्सी कैप फंड और टाटा मल्टी एसेट एलोकेशन फंड ने भी अच्छा प्रदर्शन किया—31 अगस्त, 2025 तक उनकी औसत प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) सालाना आधार पर क्रमश: 12.5 प्रतिशत और 27 प्रतिशत बढ़कर 3,385 करोड़ रुपये और 4,040 करोड़ रुपये हो गईं (स्रोत: टाटा एमएफ)। टाटा फ्लेक्सी कैप फंड को 2025 में अब तक 456 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना है, वहीं रायपुर से निवेश 80 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 3.77 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

सैमसंग इंडिया ने पंजाब में डिज़ास्टर रिलीफएंड केयर प्रोग्राम शुरू किया, प्रभावित ग्राहकों को मिलेगी मदद

गुरुग्राम: सैमसंग ने पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित ग्राहकों और समुदायों की मदद के लिए अपना विशेष आपदा राहत और देखभाल कार्यक्रम लॉन्च किया है। इस कार्यक्रम के तहत प्रभावित इलाकों में केयर कैंप लगाए जाएंगे, जहां परिवारों को जरूरी घरेलू सामान, बुनियादी उपकरण और इमरजेंसी किट मुहैया कराई जाएगी। वर्षों से, सैमसंग विभिन्न पहलों के माध्यम से मुश्किल समय में लोगों का सहयोग करने के लिए आगे आया है। जैसेकि श्रीनगर में वैली ऑफहोप (2014) से लेकर केयर फॉर केरल (2018) और केयर फॉर महाराष्ट्र (2019) तक। इन पहलों से हजारों लोगों को बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं, जीवन को फिर से संवारने में मदद मिली और मुश्किल हालात में उम्मीद की किरण मिली। हर जरूरत के लिए एक केयर कैम्प पंजाब के गुरदासपुर में, जहाँ हाल ही की बाढ़ ने लोगों की जिंदगी प्रभावित की है, सैमसंग पहले ही अपने कॉन्टैक्ट सेंटर और सर्विस सेंटर के जरिए मदद के अनुरोध लेना शुरू कर चुका है। लोग लगातार केयर कैंप में सहायता के लिए पहुँच रहे हैं, और जैसे-जैसे स्थानीय घोषणाएँ और सूचनाएँ आसपास के गाँवों तक पहुँचेंगी, मदद के लिए आने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

अमेरिका के कई शहरों में अराजकता का माहौल

वाशिंगटन ,एजेंसी। अमेरिका के सबसे खूबसूरत शहरों में शामिल शिकागो इन दिनों गलत वजहों से सूर्खियां बटोर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शिकागो में भारी संख्या में फोर्स तैनात करने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस ने भी ट्रंप के इस फैसले की पुष्टि की है।

व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप ने 300 नेशनल गार्ड शिकागो में तैनात करने के आदेश दिए हैं। इतनी बड़ी संख्या में गार्ड्स की नियुक्ति केंद्रीय अधिकारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।

व्हाइट हाउस ने क्या कहा?

व्हाइट हाउस ने इसपर सफाई पेश करते हुए कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने केंद्रीय अधिकारियों और संपत्ति की सुरक्षा के लिए 300 नेशनल गार्ड्स भेजने का आदेश दिया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता अबीगैल जैक्सन के अनुसार, अमेरिकी शहरों में अराजकता देखने को मिल रही है और राष्ट्रपति ट्रंप इसपर आंखें बंद नहीं सक सकते हैं।

क्या है नियुक्ति की वजह?

शिकागो में नेशनल गार्ड्स की तैनाती पर व्हाइट हाउस का कहना है कि शनिवार की घटना के बाद यह फैसला लिया गया है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के अनुसार, दस कारों में मौजूद लोगों ने पुलिस को चारों तरफ

से घेर लिया था। उनके पास हथियार भी थे। ऐसे में पुलिस को अपनी रक्षा में गोलियां चलानी पड़ी। इस दौरान गोली लगने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

कोर्ट ने लगाई थी रोक

अमेरिकी सत्ता के शीर्ष पर बैठने के बाद से ही डोनल्ड ट्रंप अवैध अप्रासियों को बाहर का रास्ता दिखा रहे हैं। इसी कड़ी में ट्रंप ने पोर्टलैंड और ओरेगन समेत कई शहरों में नेशनल गार्ड्स् की तैनाती की है। हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने पोर्टलैंड में 200 नेशनल गार्ड्स नियुक्त किए थे। हालांकि, संघीय अदालत ने ट्रंप के इस फैसले पर रोक लगा दी थी।

अमेरिकी पुलिस ने शिकागो में महिला को मारी गोली

शिकागो , एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला हुआ है। करीब 10 वाहनों ने उन्हें टक्कर मारते हुए घेर लिया। इस दौरान अमेरिकी संघीय एजेंटों ने एक महिला को गोली मार दी। यह घटना बढ़ते आईसीई विरोधी प्रदर्शन और ट्रंप सरकार द्वारा डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अशांति को कम करने के प्रयासों के बीच हुई है। संघीय एजेंटों का कहना है कि शिकागो के साउथ साइड पर अधिकारियों को फंसाया गया था। डीएचएस की सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कम से कम 10 कारों ने अधिकारियों को टक्कर मारी और घेर लिया। उन्होंने आगे लिखा कि एजेंट अपने वाहनों को आगे नहीं बढ़ा पाए और कार से बाहर निकल गए। कानून प्रवर्तन वाहन को टक्कर मारने वाले ड्राइवरों में से एक के पास एक अर्ध-स्वचालित हथियार था। कानून प्रवर्तन को अपने हथियार तैनात करने और एक सशस्त्र अमेरिकी नागरिक पर रक्षात्मक गोलियां चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो खुद ही घावों का इलाज कराने के लिए अस्पताल जा रही थी। मैकलॉघलिन ने पोस्ट के जरिए बताया कि सशस्त्र महिला का नाम पिछले हफ्ते एक खुफिया बुलेटिन में एजेंटों की जानकारी छिपाने और ऑनलाइन पोस्ट करने के लिए दर्ज किया गया था। महिला का नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है और शनिवार को उसकी हालत ठीक नहीं थी। इस मामले को लेकर अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज शिकागो में, हमारे बहादुर कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला किया गया - दस वाहनों ने उन्हें टक्कर मार दी और घेर लिया।

समुद्र की गहराई से निकला खजाना

मिला सोने-चांदी से लदा स्पेनिश जहाज

फ्लोरिडा , एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा तट पर गोताखोरों की एक टीम ने समुद्र के नीचे दबी 300 साल पुरानी स्पेनिश जहाज का खजाना खोज निकाला है। इस जहाज में सोने और चांदी के हजारों सिक्के दबे हुए थे, जिनकी कीमत करीब 1 मिलियन डॉलर (लगभग 8.3 करोड़ रुपये) बताई जा रही है। यह जहाज 1715 में आए एक भयंकर तूफान में डूब गया था और तब से समुद्र की गहराइयों में लापता था।

कहां मिला यह खजाना?

रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा के अटलांटिक तट के पास गोताखोरों को यह खजाना मिला है। इस तटीय क्षेत्र को पहले से ही खजाना तट कहा जाता है, क्योंकि यहां पहले भी कई पुराने जहाजों के मलबों से खजाने मिल चुके हैं।

इस बार की खोज 1715 एलएलसीनामक कंपनी की टीम ने की है। उन्होंने समुद्र के तल से 1,000 से ज्यादा सोने-चांदी के सिक्के निकाले हैं। माना जा रहा है कि ये सिक्के स्पेनिश उपनिवेशों में ढाले गए थे – जहाँ अब मैक्सिको, पेरू और बोलीविया स्थित हैं।

इतिहासकारों के अनुसार, 31 जुलाई 1715 को 11 जहाजों का स्पेनिश बेड़ा अमेरिका से स्पेन की ओर खजाना लेकर जा रहा था। लेकिन रास्ते में फ्लोरिडा तट के पास भयंकर तूफान आया, जिसने बेड़े को तबाह कर दिया। उस हादसे में हजारों लोग मारे गए और टनों सोना-चांदी समुद्र में समा गया। तब से यह खजाना समुद्र के भीतर गुम था। गोताखोरों द्वारा मिले सिक्कों में से कई पर टकसाल और 1710 से 1715 के बीच की तारीखें खुदी हुई हैं। इससे इतिहासकारों को यह समझने में मदद मिलेगी कि उस दौर में स्पेनिश साम्राज्य का व्यापार और सोने-चांदी की ढलाई का नेटवर्क कैसा था। कंपनी के ऑपरेशन डायरेक्टर सैल गुट्रूसो ने कहा –यह सिर्फ खजाने की खोज नहीं, बल्कि इतिहास के एक भूले हुए अध्याय को उजागर करने जैसा है। हर सिक्का उस दौर के लोगों की कहानी कहता है। उन्होंने इसे एक असाधारण ऐतिहासिक खोज बताया, क्योंकि इतने ज्यादा सिक्के एक साथ मिलना बेहद दुर्लभ है। फ्लोरिडा राज्य कानून के अनुसार, राज्य की सीमा में पाए गए सभी ऐतिहासिक अवशेष और खजाने राज्य सरकार की संपत्ति माने जाते हैं। हालांकि, खोजकर्ता कंपनियों को वैध अनुमति दी जाती है, और बरामद सामग्री का 20त्न हिस्सा राज्य के म्यूजियम या सार्वजनिक प्रदर्शनी के लिए रखा जाता है। बाकी हिस्सा खोजकर्ताओं को दिया जा सकता है। यह खोज न केवल एक आर्थिक खजाना है, बल्कि इतिहास और पुरातत्व के लिहाज से भी बेहद कीमती है। इससे यह साबित होता है कि फ्लोरिडा के तट के नीचे अब भी कई खोए हुए खजाने छिपे हो सकते हैं, जिनका संबंध स्पेनिश साम्राज्य के स्वर्ण युग से है।

आईफोन और आईपेड के लिए 17 की उम्र में बेच डाली थी किडनी, अब डायलिसिस पर काट रहा जिंदगी

वाशिंगटन, एजेंसी। महज़ एक आईफोन 4 और आईपेड 2 खरीदने की सनक में की गई एक गलती आज 14 साल बाद भी चीन के वांग शांगकुन को दर्द दे रही है। 17 साल की जवानी में वांग ने अपनी एक किडनी अवैध बाजार में बेच दी थी। आज 31 साल की उम्र में वह पूरी तरह विकलांग हो चुके हैं और उनकी जिंदगी अब डायलिसिस मशीन पर निर्भर है। यह दिल दहला देने वाली घटना साल 2011 की है। गरीब परिवार से आने वाले वांग शांगकुन उस समय महज़ 17 साल के थे। आईफोन और आईपैड खरीदने के लिए वांग अंग तस्करों के झांसे में आ गए थे। तस्करों ने उन्हें एक किडनी के बदले 20,000 युआन (लगभग ढाई लाख रुपये) का लालच दिया था। वांग ने सोचा कि वह एक किडनी के सहारे आराम से जी लेगा। उन्हें हुनान प्रांत के एक छोटे शहर में ले जाया गया जहां असुरक्षित और गैर-स्वच्छ स्थानीय अस्पताल में उनकी सर्जरी हुई। सर्जरी के बाद वांग को कोई सही देखभाल (पोस्ट-ऑपरेटिव केयर) नहीं मिली। पैसे हाथ में आते ही वांग गैजेट्स लेकर घर लौट आए। आईफोन की खुशी ज़्यादा दिन नहीं टिकी। कुछ ही महीनों में वांग की बची हुई दूसरी किडनी में इंफेक्शन हो गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि गैर-स्वच्छ सर्जरी की वजह से बैक्टीरिया उनके शरीर में फैल गया था। वांग को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां पता चला कि उनकी किडनी अब सिर्फ 25त्न ही काम कर रही है। वहीं आज 31 साल की उम्र में वांग शांगकुन को अपनी पूरी ज़िंदगी डायलिसिस मशीन पर गुजारनी पड़ रही है। वांग शांगकुन की यह दर्दनाक कहानी एक बार फिर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसकी वजह यह है कि आईफोन 17 प्रो जैसे नए गैजेट्स की ऊंची कीमतों के चलते आज भी कई युवा ऐसी ही भयानक गलती करने की कोशिश कर रहे हैं और अंग तस्करी करने वाले गिरोहों के संपर्क में आ रहे हैं।

ट्रंप के रोकने के बावजूद गाजा पर हमला कर रहा इजरायल

येरूसलम, एजेंसी। गाजा में चल रहे संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप युद्ध विराम की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच इजरायल ने गाजा पर फिर से हवाई हमला शुरू कर दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को हुए इजरायली हमले में कम से कम 70 फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। मारे गए नागरिकों में मासूम बच्चे भी शामिल हैं। दरअसल, ट्रंप हमास-इजरायल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। हमास द्वारा सहमति जताए जाने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायल से गाजा पर तुरंत बमबारी रोकने का आदेश दिया था। इसके बाद भी शनिवार को इजरायल द्वारा गाजा पर हमला किया गया है। इस हमले में इजरायली सैन्य ठिकानों के बीच में रहे गाजा शहर के लोग सबसे अधिक हताहत हुए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वहां 45 लोगों की जान चली गई। हाल के हफ्तों में इजरायली हमलों ने दस लाख से अधिक गाजावासियों को प्रभावित किया है।

ट्रंप प्रशासन को यूएस फेडरल कोर्ट से बड़ा झटका, पोर्टलैंड में सैनिकों की तैनाती पर लगाई रोक

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी संघीय न्यायालय राष्ट्रपति डोनलड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनानी पर स्थायी रोक लगा दी है। संघीय न्यायालय का कहना है कि हाल के दिनों में हुए विरोध प्रदर्शनों को 'विद्रोह' नहीं कहा जा सकता और यह विरोध कानून-व्यवस्था में गंभीर बाधा नहीं बनती।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती का आदेश दिया था। लेकिन संघीय जज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को पोर्टलैंड शहर में 200 ओरेगन नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। संघीय न्यायालय द्वारा यह रोक 18 अक्टूबर तक के लिए लगाया गया है। पोर्टलैंड में अमेरिकी जिला जज करिन इमरगुट ने यह फैसला सुनाया है। उन्होंने नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर रोक लगाते हुए कहा कि प्रशासन ने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया, जिससे यह साबित हो सके कि पोर्टलैंड में विरोध प्रदर्शन किसी विद्रोह के स्तर तक पहुंचे हों या उन्होंने कानून व्यवस्था में गंभीर बाधा बन रही हो। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि ट्रम्प की तैनाती राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करती है।

असद शासन के तख्तापलट के बाद हो रहे संसदीय चुनाव

दश्मिक, एजेंसी। सीरिया में दशकों की तानाशाही और एक लंबे गृहयुद्ध के बाद रविवार को पहली बार संसदीय चुनाव हो रहे हैं। दरअसल, दिसंबर में एक विद्रोही हमले में निरकुंश नेता रहे बशर अल-असद को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। जिसके बाद यह चुनाव हो रहा है।

सीरिया में हो रहा यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। क्योंकि यहां 50 वर्षों से अधिक समय तक असद परिवार ने देश पर कठोर शासन किया था। पिछले 10 वर्षों में सीरिया में हुए गृहयुद्ध ने तबाह कर दिया था। वैसे तो सीरिया में नियमित चुनाव होते रहे थे। जिसमें सभी सीरियाई नागरिक को मतदान करने का अधिकार था। लेकिन असद के नेतृत्व वाली बाथ पार्टी हमेशा संसद पर हावी रही, और इन चुनावों को व्यापक रूप से दिखावटी चुनाव माना जाता था। लोकतांत्रिक प्रकिया पर नहीं

हो रहा चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर नहीं होगा। बल्कि, पीपुल्स असेंबली की ज्यादातर सीटों पर प्रत्येक जिले के निर्वाचक मंडल द्वारा मतदान किया जाएगा, जबकि एक-तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा द्वारा सीधे नियुक्ति की जाएगी। फिर भी चुनाव परिणामों को इस बात का पैमाना माना जाएगा कि अंतरिम सरकारें समावेशिता, खासकर महिलाओं और अल्पसंख्यकों के प्रति, कितनी गंभीर हैं। बता दें कि पीपुल्स असेंबली में 210 सीटें हैं, जिनमें से दो-तिहाई रविवार को चुनी जाएंगी और एक-तिहाई नियुक्त की जाएंगी। निर्वाचित सीटों पर देश भर के जिलों के निर्वाचक मंडल द्वारा मतदान किया जाता है, और प्रत्येक जिले के लिए सीटों की संख्या जनसंख्या के अनुसार वितरित की जाती है। चुनावी प्रक्रिया के अनुसार, 60 ज़िलों में कुल 7,000 निर्वाचक मंडल सदस्यों - जिन्हें इस उद्देश्य के लिए नियुक्त समितियों द्वारा प्रत्येक जिले में आवेदकों के समूह में से चुना जाता है। उनको 140 सीटों के लिए मतदान करना चाहिए। लेकिन स्वेदा प्रांत और कुर्द नेतृत्व वाली सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेज के नियंत्रण वाले पूर्वोत्तर क्षेत्रों में स्थानीय अधिकारियों और दमिश्क की केंद्र सरकार के बीच तनाव के कारण चुनाव अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिए गए हैं।

पाक आर्मी बोली-अब भारत से युद्ध हुआ तो तबाही होगी

पीछे नहीं हटेंगे; भारतीय आर्मी चीफ बोले थे- पाकिस्तान सोच ले नक्शे पर रहना है या नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सेना ने शनिवार रात को भारत को चेतावनी देते हुए कहा- अगर अब दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो विनाशकारी तबाही होगी। अगर दुश्मनी का नया दौर शुरू हुआ तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचकिचाहट से जवाब देंगे।

पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर कहा कि भारतीय रक्षामंत्री और सेना के अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना बयान जंग को बढ़ावा देने की कोशिश है।

इसके साथ ही भारतीय आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी पर निशाना साधते हुए पाकिस्तानी सेना ने कहा- जहां तक पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बातें हैं। भारत को पता होना चाहिए कि ऐसी स्थिति आती है, तो मिटना दोनों तरफ

से होगा। दरअसल,शुक्रवार को उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था- पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि उसे भूगोल में रहना है या नहीं। अगर अपनी जगह बनानी है, तो उसे आतंकवाद को संरक्षण देना बंद करना पड़ेगा।

ऑपरेशन सिंदूर: भारत ने पाकिस्तान के 8 आतंकी ठिकाने तबाह किए: भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। सेना ने कहा था कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। पाकिस्तान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, भारत ने कोटली, बहावलपुर, मुरीदके, बाग और मुजफ्फराबाद में अटैक किया थे। इसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वॉर्टर और जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर का ठिकाना भी शामिल था।

3 बयान, जिसपर पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया दी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह (3 अक्टूबर) : जब भी भारत के गौरव और सम्मान की बात आएगी, देश कभी समझौता नहीं करेगा। भारत अपनी एकता और अखंडता की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है। आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी (3 अक्टूबर) : जिस तरह से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में संयम रखा है, अबकी बार भारत ये संयम नहीं रखेगा। इस बार हम आगे की कार्रवाई करेंगे। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह (3 अक्टूबर) : ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के करीब 12 से 13 विमान तबाह किए गए थे। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट और एक ष्ट-130 (ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट) को जमीन पर तबाह किया। ये विमान पाकिस्तान के एयरबेस और हैंगर (विमानों की पार्किंग) पर खड़े थे। भारत से आ रहे बयान झूठे, उकसाने, बिना सोच-विचार और जंग को बढ़ावा देने वाले हैं। दशकों तक भारत ने खुद को पीड़ित बताकर पाकिस्तान को गलत बताया, जबकि वह खुद हिंसा और आतंक को बढ़ावा देता है। इस साल भारत के कारण दो परमाणु देश युद्ध के कगार पर आ पहुंच गए थे, भारत शायद उन नुकसानों और पाकिस्तान की कड़ी प्रतिक्रियां को भूल गया है। भारतीय रक्षा मंत्री, उसकी सेना और वायु सेना प्रमुखों के भड़काऊ बयानों पर हम चेतावनी देते हैं कि भविष्य में यह टकराव तबाही ला सकता है। अगर दुश्मनी का एक नया दौर शुरू होता है, तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा।

खबर-खास

रेस्ट हाउस का लोकार्पण कार्य का विरोध करने पहुंचे कांग्रेसी

पाटन (समय दर्शन)। पाटन ब्लॉक के ग्राम भंसूली जामगांव आर में लोक निर्माण विभाग के द्वारा नया विश्राम गृह बनाया गया है आज इस विश्राम गृह का लोकार्पण किया जाना था । जैसे ही लोकार्पण कार्यक्रम अतिथि आमंत्रण में प्रोटोकॉल का उल्लंघन किए जाने की जानकारी मिली तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जामगांव आर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में विश्राम गृह के सामने इकट्ठे हुए और इस लोकार्पण कार्यक्रम का विरोध करने लगे। कांग्रेसियों ने एक ज्ञापन भी सौंपा है जिसमें बताया गया है कि लोकार्पण कार्य में जो प्रोटोकॉल है उसका पालन किया जाए साथ ही साथ अगर अतिथि आमंत्रण में प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेस ने मांग किया है कि लोकार्पण का कार्यक्रम स्थगित करके फिर से इसका लोकार्पण का कार्यक्रम बनाएं जिसमें प्रोटोकॉल का पालन हो ।इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता विश्राम गृह के सामने नारेबाजी भी किया वहीं एहतियात के रूप मे पुलिस बल भी भारी संख्या में मौजूद रही।

किशन हिरवानी निर्वाचित हुए परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा के अध्यक्ष

पाटन (समय दर्शन)। परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा के त्रिवार्षिक चुनाव 2025 का मतदान आज कबीर कुटी अरसनारा में शांति पूर्वक सम्पन्न हुआ। जिसमें किशन हिरवानी अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। उनके नेतृत्व में गठित पैनल ने बहुमत से विजय प्राप्त की। उपाध्यक्ष पद पर संतोष साहू एवं ललिता साहू निर्वाचित हुए हैं, वहीं संगठन सचिव पद पर अर्जुन साहू एवं दामिनी साहू ने जीत दर्ज की। मतगणना समाप्त होने के बाद परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में उल्लास का वातावरण बन गया। विजयी प्रत्याशियों को समाजिक पदाधिकारियों ने बधाई दिया।

नव-निर्वाचित अध्यक्ष किशन हिरवानी ने मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज की एकता, प्रगति और सहयोग की भावना से संगठन को नई दिशा देने का कार्य करेंगे।

कलेक्टर ने सरपंचों से आग्रह किया है कि वे अपने ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त बनाये

गरियाबंद (समय दर्शन)। बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत् जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए रणनीति व कार्ययोजना अनुसार 31 मार्च 2029 तक जिले को सम्पूर्ण बाल विवाह मुक्त बनाना है। इकसे तहत राज्य शासन द्वारा गरियाबंद जिले को वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल ग्राम पंचायत- 334 का 40 प्रतिशत अर्थात् 134 ग्राम पंचायतों एवं 02 नगरीय निकायों का बाल विवाह मुक्त कर प्रमाण पत्र जारी किये जाने का निर्धारित लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिले में अब तक 135 ग्राम पंचायतों एवं 2 नगरीय निकायों इनमें कोपरा एवं छुरा को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं बाल विवाह मुक्त नगरीय निकाय घोषित किया जा चुका है ।जिसमें जिले में कुल 135 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं 2 नगरीय निकायों से नियमानुसार विगत दो वर्षों में बाल विवाह का प्रकरण नही होने संबंधी दस्तावेज प्राप्त हुये है। कलेक्टर बी.एस उइके ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में छुरा विकासखण्ड के तीन ग्राम पंचायतों के सरपंचों को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इनमें ग्राम पंचायत कोसमी,चुरकीदादर एवं द्वारतरा शामिल है।

कलेक्टर ने जिले के सभी सरपंचों से आग्रह किया है कि वे भी अपने ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत बनाये। इसके लिए ग्रामीणों को अधिक से अधिक जागरूक करें।

महासमुंद में छात्र और पालकों ने स्कूल के गेट पर जड़ा ताला

पालको ने कहा-जब तक शिक्षक की पोस्टिंग नही होती, तब तक नही खुलेगा ताला

महासमुन्द(समय दर्शन)। महासमुंद जिला में लचर शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्र और उनके अभिभावकों का गुस्सा फूट पड़ा। शिक्षक की कमी के कारण प्रभावित हो रहे पढ़ाई को लेकर अभिभावकों ने स्कूल के मेन गेट पर ताला जड़कर जमकर नारेबाजी की। नाराज परिजनों ने कहा कि,जब तक स्कूल में टीचर की पोस्टिंग नही हो जाती, तब तक स्कूल के गेट से ताला नही खुलेगा। उधर स्कूल के गेट पर ताला जड़ने और अभिभावकों की नाराजगी की खबर के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक ये पूरा मामला महासमुंद जिला के शासकीय प्राथमिक शाला भावा का है। बताया जा रहा है कि यहां कक्षा पहली से पांचवी तक बच्चों की दर्ज संख्या 35 है। वहीं बच्चों को पढ़ाने के लिए 2 शिक्षक पदस्थ है। लेकिन एक शिक्षक पिछले कई महीनों से छुट्टी पर है।

ऐसे में एक शिक्षक के कंधे पर सभी पांच कक्षा की जवाबदारी होने से बच्चों की पढ़ाई चौपट हो रही है। ग्रामीणों द्वारा बार बार इसकी शिकायत करने के बाद भी कोई हल नही हो सका। जिससे त्रस्त होकर आज नाराज पालकों ने स्कूल के गेट पर ताला जड़कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। नाराज ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग उनके बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जब तक स्कूल में एक और शिक्षक की पदस्थापना नही होता, तब तक स्कूल के गेट पर ताला लगा रहेगा। ग्रामीणों के इस विरोध प्रदर्शन के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

बिजली के बंद रहने से सिलादेही और बिर्रा का दशहरा महोत्सव पड़ा फीका

बिर्रा (समय दर्शन)। बिजली के बंद रहने से सिलादेही और बिर्रा का दशहरा महोत्सव फीका पड़ गया। ग्राम वासियों और दर्शकों को अंधेरे में दशहरा उत्सव नहीं दिखा। बिजली के बंद रहने से अंचल का दशहरा उत्सव फिक्का पड़ गया है।

गौरतलब है कि विद्युत मंडल बम्हनीडीह के अंतर्गत विद्युत वितरण केंद्र बिर्रा में विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही से 5 अक्टूबर दिन रविवार को आयोजित सिलादेही का दशहरा महा महोत्सव और 6 अक्टूबर दिन सोमवार को बिर्रा का भव्य विराट दशहरा महोत्सव बिजली गुल रहने के कारण फीका पड़ गया। बिजली बंद रहने से दर्शकों को दशहरा महोत्सव दिखाई नहीं देने के कारण अंचल के दर्शक गढ़ काफी मायूस नजर आए। इसके बावजूद भी विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारी विद्युत व्यवस्था बहाल नहीं कर सके। आए दिन की बिजली की आंख मिचौली से उपभोक्ता परेशान हैं। बीते कुछ महीनों से बिजली की आंख मिचौली से उपभोक्ता बहुत परेशान हैं। बिर्रा सब स्टेशन के जितने भी कर्मचारी हैं बहुत लापरवाह हो गए हैं। जिसके कारण कई त्योहारों का उत्सव आनंद मंगल सभी फीका पड़ गया है। अघोषित बिजली कटौती के कारण बिर्रा सब स्टेशन से कई गांव जुड़ा हुआ है। जिसमें सिलादेही ,बिर्रा बसंतपुर ,देवरहा , डभराखुर्द ,बनडभरा, घिवरा, देवरानी, गतवा, बोरसी, तालदेवरी, चौरहादेवरी, आदि कई गांव आते हैं। अभी दशहरा उत्सव का सीजन चल रहा है। जिसमें कई गांव का दशहरा उत्सव फीका पड़ गया क्योंकि लाइट नहीं होने के कारण दशहरा उत्सव नहीं मना पाए। जिसमें सिलादेही, बिर्रा आदि गांव में भारी उत्सव के साथ दशहरा मनाने के लिए एवं रावण दहन करने के लिए मेले का आयोजन रखा गया था

। जिसमें बिजली विभाग की मनमानी के कारण किसी भी गांव में दर्शकों का मनोरंजन एवं उत्साह वर्धन नहीं हो पाया । इसका कारण है बिजली विभाग के लापरवाही इसी बिजली विभाग के बहुत बड़ी लापरवाही सिलादेही दशहरा में बिजली बंद के बाद 6 अक्टूबर दिन सोमवार को रात्रि में बिर्रा के दशहरा में भी लाइट बंद है। यह विद्युत विभाग की घोर लापरवाही और कर्तव्य के प्रति उदासीनता एवं स्वेच्छा चारिता को दर्शाता है। बिर्रा अंचल के प्रतिनिधि गण एवं पंचायत पदाधिकारी और नेतागण को विद्युत उपभोक्ताओं के समस्याओं के बारे में कोई भी प्रकार से लेना देना नहीं है। जिसके कारण आज विद्युत उपभोक्ताओं को और दशहरा महोत्सव देखने पहुंचे दर्शकों को रात के अंधेरों में समय गुजारना पड़ रहा है। बहरहाल कारण चाहे जो भी हो लेकिन बिजली के बंद रहने से दशहरा महोत्सव बहुत फीका पड़ गया है। विद्युत उपभोक्ताओं ने विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों के अलावा जिला के कलेक्टर महोदय से विद्युत व्यवस्था बहाल करने की मांग किए हैं।

33 केवी में खराबी आने के कारण विद्युत व्यवस्था बाधित है। फॉल्ट ढूंढ लिया गया है। शीघ्र ही बनाकर विद्युत चालू किया जाएगा।

गोकुल देवांगन
जूनियर इंजीनियर
विद्युत वितरण केंद्र,
बिर्रा

टीकाकरण कार्यक्रम में पहुंचे सरपंच रवि सिंगौर

पाटन (समय दर्शन)। पाटन ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सांकरा में उप स्वास्थ्य केंद्र पर टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसका निरीक्षण करने के लिए ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रवि सिंगौर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में टीकाकरण की व्यवस्था का जायजा लिया और डॉक्टरों एवं मितानिनों से बातचीत की। सरपंच रवि सिंगौर की पहल- उन्होंने मितानिन समूह को मितानिन सामग्री वितरित की, जिसमें इंडक्शन, 10 कुर्सियां, कार्पेट और पानी जार शामिल हैं।

सरपंच ने कहा कि मितानिन समूह गांव में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है और ग्राम पंचायत द्वारा उन्हें समर्थन दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। ग्राम पंचायत का उद्देश्य गांव में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और प्रभावी बनाना है। ग्राम पंचायत स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए नए कार्यक्रमों और योजनाओं पर काम कर रही है। सरपंच रवि सिंगौर ने डॉक्टरों और मितानिनों से गांव में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी मांगे।

कलेक्टर ने की योजनाओं एवं गतिविधियों की विभागवार समीक्षा

अवैध शराब की बिक्री पर सख्त कार्यवाही करने के दिए निर्देश

समय-सीमा की बैठक आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन)। मुंगेली जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आगामी कलेक्टर कांफ्रेंस के मद्देनजर विभागीय योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की और क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कुपोषण, स्टंटिंग, वेस्टिंग एवं अंडरवेट बच्चों की स्थिति, आंगनबाड़ी भवनों की स्थिति, महतारी वंदन योजना एवं मातृवंदना योजना, कुपोषण आदि के संबंध में जानकारी ली और लक्ष्य के अनुरूप बेहतर सुधार लाने निर्देशित किया। इस दौरान सखी वन स्टॉप सेंटर के संबंध में उचित जानकारी नहीं प्रदान करने पर डीपीओ एवं सीडीपीओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। आबकारी विभाग के संबंध में जानकारी लेते हुए उन्होंने जिले में अवैध शराब की बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने और आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीबी मुक्त भारत अभियान, सिकल सेल स्क्रीनिंग, मलेरिया उन्मूलन, आयुष्मान भारत योजना और वय वंदन योजना की प्रगति की जानकारी ली और बेहतर रैंक लाने निर्देश दिए। उन्होंने जीवनदीप समिति अंतर्गत निर्माण कार्यों में तेजी लाने कहा। उन्होंने शिक्षा विभाग अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रत्येक विद्यालय में वृक्षारोपण की पोर्टल प्रविष्टि सुनिश्चित करने के साथ ही स्वच्छ हरित विद्यालय योजना एवं अन्य शैक्षणिक मानकों में सुधार लाने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने फसल विविधीकरण, एग्रीस्टेक पंजीयन, ई-केवाईसी, फसल बीमा, रबी फसलों हेतु अल्पकालीन ऋण प्रोत्साहन आदि यायेजनाओं में प्रगति लाने तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की लंबित किस्तों के शीघ्र भुगतान के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पशुधन विकास विभाग के अंतर्गत गौधाम योजना, डेयरी सहकारी समितियों का गठन, तथा पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन हेतु किसान क्रेडिट कार्ड स्वीकृति पर प्रगति लाने कहा। उन्होंने सभी विभागों को ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने निर्देशित किया। राजस्व विभाग को नामांतरण, फौती, डिजिटलाइजेशन एवं ई-कोर्ट संबंधी प्रकरणों में तेजी लाने कहा। इसी तरह उन्होंने पीएमजीएसवाय, पीएचई, पीडब्ल्यूडी, मत्स्य विभाग सहित अन्य विभागों की समीक्षा की और लक्ष्य अनुरूप कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया। बैठक में वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, अपर कलेक्टर जी.एल.यादव, संयुक्त कलेक्टर अजीत पुजारी, मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, पथरिया एसडीएम श्रीमती रेखा चंद्रा सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

तेज कुमार सारथी यूथ ब्रिगेड का कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष मनोनीत

महासमुन्द(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ घासी घसिया सहिस सारथी कल्याण समिति के संरक्षण में प्रगतिशील सामाजिक युवा जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित शैक्षिक एवं व्यवसायिक कार्यशाला सह युवा संगोष्ठी का आयोजन का गत दिवस इडो क्लब व्ही आईपी रोड रायपुर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ सफ्लता पूर्वक संपन्न हुआ। उक्त आयोजन समाज के युवाओं द्वारा गठित प्रगतिशील सामाजिक युवा जागरण मंच के आह्वान पर कार्यक्रम में प्रदेश भर के युवाओं की गरिमामयी उपस्थिति में मुख्य अथिति माननीय के. आर. सागर प्रदेश अध्यक्ष- घ. घा. स. सा. समाज कल्याण समिति छत्तीसगढ़, अध्यक्षता- माननीय नरेंद्र साहनी सह संयोजक प्रगतिशील सामाजिक युवा जागरण मंच, विशिष्ट अतिथि माननीय शिव शंकर साहनी उप पुलिस अधीक्षक, माननीय संतोष सागर अंतर्राज्यीय पनीर व्यवसायी, स्पेशल गेस्ट एवं प्रमुख मार्ग दर्शक माननीय संजय गजघटे संयुक्त संचालक उद्योग रायपुर छत्तीसगढ़, माननीय मिलिंद माटे सीनियर मैनेजर, पंजाब नेशनल बैंक, शास्त्री बाजार रायपुर, माननीय अमित कुमार साहनी वरिष्ठ प्रबंधक, बैंक ऑफबड़ौदा, शिरधन सागर लोन एक्सपर्ट एवं ऑपरेटर, माननीय सी. आर. साहनी संरक्षक, प्रांतीय कमेटी, माननीय टी. आर. कुलदीप प्रांतीय कोषाध्यक्ष, माननीय श्रीमती सरोज सोनवानी जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रायगढ़ समस्त अतिथियों द्वारा माता करम सेनी दाई और भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर जी की पूजा अर्चना के सामूहिक करम सेनी दाई आरती पश्चात अतिथियों का स्वागत यूथ ब्रिगेड की ओर से किया गया। उक्त संगोष्ठी में उद्योग, व्यवसाय एवं शिक्षा से संबंधित विभिन्न मार्गदर्शन दिए गए जिसे सभी ने बड़ी गर्मजोशी के साथ वक्ताओं को सुना समझा एवं करतल ध्वनि से आभार प्रकट किये। सैकड़ों की तदात में उद्योग एवं रोजगार हेतु पंजीयन फॉर्म भरे गये साथ ही माननीय प्रांताध्यक्ष के आर सागर द्वारा इस योजना के लिए टीम गठित कर अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिलाने का आश्वासन दिया गया साथ ही उद्योग भवन रायपुर से पधारे संयुक्त संचालक महोदय से समाज के लोगों के पुस्तैनी व्यवसाय ढोलक, तबला, मांदर, आदि संगीत वाद्य यंत्र निर्माण को उद्योग की सूची में जोड़ कर उन्हें भी इस कार्य हेतु अनुदान देने की विशेष चर्चा किए। तेज बारिश होने के वावजूद भी लोग मार्गदर्शन पाने हेतु अपने अपने स्थान पर आसिन रहे। माहौल खुद ब खुद बयां कर रहे थे कि समाज में बदलाव अब विकास के रफ्तार पर है। द्वितीय सत्र में सामाजिक जन का परिचय के साथ अविवाहित युवक युवतियों का भी परिचय कराया गया। अंत में कार्यक्रम के संयोजक शिव साहनी साहनी द्वारा तेज कुमार सारथी जी रायगढ़ को युथ ब्रिगेड का कार्यकरी अध्यक्ष के लिये नाम प्रस्तवित किया गया जिसे

प्रगतिशील युवा जागरण मंच के सभी ने सहर्ष सहमति देकर स्वागत किया।

अंशकालिक स्पेशल एजुकेटर की भर्ती हेतु आवेदन 17 अक्टूबर तक

मुंगेली(समय दर्शन)। जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा अंतर्गत जिले में संचालित पीएमश्री बी.आर.साव विद्यालय में 31 मार्च 2026 तक के लिए अंशकालिक स्पेशल एजुकेटर की भर्ती हेतु आवेदन 17 अक्टूबर तक आमंत्रित किया गया है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी के पास आरसीआई द्वारा अनुमोदित संस्थान से विशेष शिक्षा में बी.एड. या समकक्ष और एक वैध आरसीआई सीआरआर नम्बर होना अनिवार्य है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)
संक्षिप्त मैन्युअल जोनल निविदा सूचना कमांक-12
Email id : ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.क्र. /2666/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2025- 26 दुर्ग, दिनांक 03.10.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	कल्याण महाविद्यालय क आडिटोरिएम का उन्नयन / जीर्णोद्धार कार्य विद्युतीकरण सहित सेक्टर-07 भिलाई	11.65

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://res.cg.gov.in में दिनांक 03.10.2025 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 17.10.2025 तक है।

कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)

जी- 252603957/2

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला दुर्ग

रा.प्र.क्र. / ऑनलाईन रजि.नं.	पक्षकार का नाम
202510100400132, अ-2/2024-25	श्रीमती शशी बंदे

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती शशी बंदे पति श्री नरेश कुमार बंदे निवासी वार्ड नं. 09, अहिवारा जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन / पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2) (5) के तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है ।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं. जहां आवेदित भूमि स्थित है	खसरा नम्बर	रकबा (क्षेत्रफल)	प्रयोजन
ग्राम- दुर्ग प.ह.नं. 19 तहसील व जिला दुर्ग	1/194	0.0140 हे. 1500 वर्गफीट	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति- दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 29/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला दुर्ग

रा.प्र.क्र. / ऑनलाईन रजि.नं.	पक्षकार का नाम
202510100400128, अ-2/2024-25	श्रीमती अंजू मटियारा

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती अंजू मटियारा पति स्व. लल्लू मटियारा निवासी ब्राम्हणपारा दुर्ग जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन / पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2) (5) के तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है ।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं. जहां आवेदित भूमि स्थित है	खसरा नम्बर	रकबा (क्षेत्रफल)	प्रयोजन
ग्राम- दुर्ग प.ह.नं. 19 तहसील व जिला दुर्ग	1/185	0.0086 हे. 927 वर्गफीट	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति- दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 29/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता अरविंद सिंह उम्र 50 वर्ष पिता स्व. बिल्टू सिंह निवासी 138/सी. रुआबांधा सेक्टर सिविक सेंटर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. का निवासी हूं , मेरे पत्नि के आधार कार्ड में उसका नाम बबुनी देवी (BABUNI DEVI) पति अरविंद सिंह (ARVIND SINGH) अंकित है। इसी प्रकार भारतीय स्टेट बैंक पासबुक में उसका नाम BABUNI DEVI पति ARVIND SINGH अंकित है।

मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र मे उसका नाम आकृति सिंह (AKRITI SINGH) पिता अरविंद सिंह (ARVIND SINGH) माता बबुनी देवी (BABUNI DEVI) अंकित है।

मेरी पुत्री के अंकसूची व दाखिला पंजी में माता का नाम BABUNI SINGH अंकित है।

मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम आकृति सिंह (AKRITI SINGH) माता बबुनी देवी (BABUNI DEVI) के नाम से गजट प्रकाशन करवाने इसी आधार पर मेरी पुत्री के अंकसूची दाखिला पंजी एवं अन्य दस्तावेजों में अंकित करवाने बाबत् आवश्यक दस्तावेज श्रीमान सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

।। !! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!।।

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. 202509101000207/अ-6
वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमा श्रीवास पति स्व0 सियाराम श्रीवास उर्फ राजूराम निवासी सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 9079 रकबा 0.020 हे. आवेदक के पति एवं अन्य खातेदारो के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामीयो की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामीयो का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 16.10.2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23.09.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

संक्षिप्त-खबर

धारदार नुकिला चाकू के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

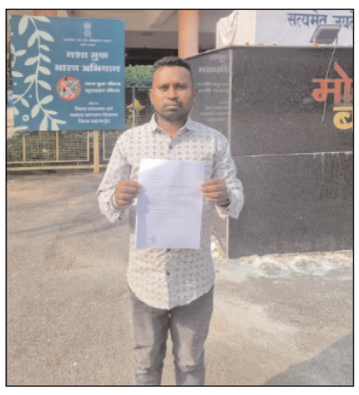

गरियाबंद (समय दर्शन)। ग्राम कोचवाय दर्रिपारा के समीप एक व्यक्ति को धारदार हथियार चाकु के साथ गिरफ्तार किया गया ।घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर क जरिये थाना प्रभारी गरियाबंद ओपी यादव को सूचना मिला कि ग्राम दर्रीपारा के बुढ़ा देव मंदिर के पास एक व्यक्ति के द्वारा लम्बा धारदार नुकिला चाकू रखकर आम जगह पर लहराते हुए आते-जाते लोगों को डरा-धमका रहा है इस सूचना के साथ थाना प्रभारी द्वारा ए एस आई टीकाराम ध्रुव प्रधान आरक्षक डिगेश्वर साहू, आरक्षक मुरारी यादव,योगेश सिंह के साथ एक महिला आरक्षक की टीम तैयार कर मुखबीर के बताये घटना स्थल पर पुछ कर देखा तो एक व्यक्ति जो अपने हाथ में काले रंग का मुठ लगा हुआ धारदार नुकिला चाकू को आसपास के लोगो को दिखा कर लहरा रहा था ।जो पुलिस पार्टी को आता देखकर आरोपी भागने का प्रयास किया ।जिसे पुलिस पार्टी द्वारा घेराबंदी कर आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर नाम पता पूछने पर आरोपी ने अपना नाम अफ़रोज मेमन पिता अब्दुल करीम भाई मेमन उम्र 40 वर्ष निवासी बारूला थाना गरियाबंद का होना बताया ।आरोपी की तलाशी लिये जाने पर आरोपी के कब्जे से धारदार काले रंग के एक नुकिला चाकू व उपयोग में लिए मोटर सायकल पैशन प्रो काला सिलवर रंग का क्रमांक सीजी 04 - बीक्यू 3853 को जप्त कर वैधानिक कार्यवाही करते हुए धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायीक हिरासत में भेजा गया।

रजत जयंती वर्ष के अवसर पर गरियाबंद में कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्यभर में रजत जयंती वर्ष 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गरियाबंद जिले में जिला कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा 6 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा ।इसी तारतम्य में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कलेक्टर बी.एस. उईके ने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत लाईवलीहुड कॉलेज गरियाबंद में प्रशिक्षित हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किया ।कार्यक्रम के दौरान 2 आत्मसमर्पित नक्सलियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर उन्हे प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।इस पहल का उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भरता और पुनर्वास के माध्यम से समाज की मुख्यधारा में जोड़ना है ।इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चन्द्राकर,सहायक परियोजना अधिकारी लाईवलीहुड कॉलेज सृष्टि मिश्रा सहित जिला स्तर के अधिकारीगण उपस्थित थे।

मेडिकल एंजेसियों में की गई कफ सिरप की जांच

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले में संचालित मेडिकल एजेंसियों में कोल्ड्रीफ एवं डेक्सट्रोमेर्थाफिन कफ सिरप की जांच की गई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक औषधि नियंत्रक ने बताया कि फार्मास्युटीकल कांचीपुरम तमिलनाडु द्वारा निर्मित औषधि कोल्ड्रीफकफसिरप एवं कायन्स फार्मा, जयपुर राजस्थान द्वारा निर्मित डेक्सट्रोमेर्थाफिन कफसिरप को अमानक स्तर का घोषित किया गया है, इसी के तहत जिले के थोक औषधि विक्रेताओ एवं बच्चो के अस्पताल स्थित चिल्हर औषधि विक्रेताओ का औषधि कोल्ड्रीफकफसिरप के स्टॉक के संबध में सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुंगेली स्थित थोक मेडिकल एजेंसी बरेला स्थित फर्म नथानी मेडिकल एजेंसी, अजय मेडिकल एवं जनरल स्टोर्स, मुंगेली सिटी के नरेन्द्र मेडिकल स्टोर्स, मीरा मेडिकल एजेंसी, प्रकाश मेडिकल एजेंसी, गीता एजेंसी एवं शिवम एजेंसी की जांच की कार्यवाही की गयी। उक्त थोक विक्रेताओ के पास उल्लेखित औषधियों का संधारण प्राप्त नहीं हुआ। साथ ही बच्चों के अस्पताल स्थित औषधि विक्रेताओं आस्तिक मेडिकल स्टोर्स, एंजल मेडिकोज एवं यशोदा फार्मेसी का निरीक्षण कर 02 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए चिकित्सकीय परामर्श पर ही बच्चों हेतु कफसिरप देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जांच हेतु अन्य निर्माता कंपनी के कफसिरप का औषधीय नमूने का संग्रहण कर जांच हेतु रायपुर स्थित औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया, जिसके परिणाम प्राप्ति उपरांत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

पिता की अनुकम्पा नियुक्ति दूसरे को ,बेटे ने किया जाँच की माँग

बेटे के रहते दूर के रिस्तेदार संतलाल मुखर्जी को मिली अनुकपा नियुक्ति

महासमुन्द(समय दर्शन)। महासमुंद जिले के सरायपाली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम नूनपानी निवासी प्रेमसागर चौहान आज दिनांक 7/10/2025 को अपनी शिकायत लेकर महासमुंद जिला कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचे।

मामला वर्ष 1991का है। स्व.कन्हैया लाल चौहान ग्राम पंचायत चकरदा में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत थे।

स्व.कन्हैया लाल के इकलौते पुत्र प्रेम सागर चौहान ने बताया कि, वर्ष 1991 में उनके पिताजी की आकस्मिक मृत्यु हो गई।

तब प्रेम सागर महज दो वर्ष का था। दो वर्ष के उम्र में मुझे मेरी माता जी मेरे दादी के पास छोड़ कर कहीं अन्यत्र चली गई ।

लगभग 1995 के आस पास मेरे दादी करमायत बाई को यह पता लगा कि, मेरे पिता जी की अनुकंपा पर संतलाल लाल मुखर्जी पिता जगसाय मुखर्जी निवासी सिंघनपुर को नियुक्ति किया गया है,जो कि मेरे वंश वृक्ष के अनुसार वह दूर दूर तक नजदीकी रिश्तेदार नहीं है, फिर भी अपने पुत्र की अनुकंपा नियुक्ति किसी अन्य व्यक्ति को मिल गई तो वह अपने स्तर पर शासन प्रशासन तक इसकी सूचना सह निवेदन किया कि, अपने पुत्र की अनुकम्पा अपने पोते के बालिग होने तक किसी अन्य को नियुक्ति नहीं किया जाय।

और उक्त नियुक्ति को निरस्त करने के लिए काफी प्रयास भी किया गया । आज तीस वर्ष बीत जाने के पश्चात भी शासन प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं हुई।

मेरे बालिग होने के पश्चात मैं स्वयं अपने तरीके से अपना हक पाने के लिए हर संभव प्रयास करता रहा ।इसी के चलते आज मैं कलेक्टर जन दर्शन में आखिरी उम्मीद लेकर अपना शिकायत पत्र प्रस्तुत किया हूं। जिसमें संतलाल मुखर्जी को मिली अनुकंपा नियुक्ति की जांच विधि सम्मत कर उचित न्याय की मांग मेरे द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि, संतलाल मुखर्जी वर्तमान में शासकीय प्राथमिक शाला गौरटेक में प्रधान पाठक के पद पर कायरत है,की नियुक्ति की जांच कर जांच मे अनियमितताएं पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित/बर्खास्त कर शासन को धोखे मे रख कर फर्जी तरीके से शासकीय सेवा प्राप्त करने के लिए संबंधित के विरुद्ध द्वहद्ध दर्ज कर कानूनी कार्यवाही कराएं एवं सेवा काल के दौरान गलत तरीके से प्राप्त शासकीय लाभ ,वेतन ,इत्यादि की रिकवरी करने की मांग की गई है ।

पिता के मृत्यु के बाद 1995 से लेकर आज पर्यंत तक हम लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने मजबूर हैं ।

शासन प्रशासन इस ज्वलन्त मुद्दे के निराकरण मे क्या एक्शन लेगी ,सबकी निगाहें इस पर टिकी है।

बागबाहरा के कोमाखान मे भालूओ ने 3 ग्रामीणों पर किया हमला

वन विभाग घायलों को करा रही ईलाज

बागबाहरा(समय दर्शन)। महासमुंद जिले के कोमाखान क्षेत्र के ग्राम बिडोरा में भालूओ के एक दल ने 3 लोगो पर बीते दिन अलसुबह अचानक हमला कर दिया।

जिससे पुरे क्षेत्र में डर का माहौल बन गया है ।भालूओ के हमले से 3 ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए हैं ।ग्रामीणों को सर, हाथ और कमर के निचे गंभीर चोटे आयी हैज्बताया जा रहा है भालू 4 की संख्या मे थे जिसमे 2 शावक भालू भी शामिल है।

बता दे की बीतेदिन अलसुबह करीब 7 बजे दान बाई ठाकुर (60) और सावित्री ठाकुर (40) जब तालाब किनारे कचरा फेंकने गई थीं, तभी भालू ने उन पर हमला कर दिया। हमले में उनके सिर और कमर पर गंभीर चोटें आई है वहीं, छबिलाल साहू (55) पिता फावा राम साहू जब अपने खेत बाइक से जा रहे थे, तभी भालू ने उन पर भी हमला कर दिया।

भालू के वार से उनके कमर के निचे का हिस्सा बुरी तरह से नोचा लिया गया है। तीनो घायलों को तत्काल बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद तीनो घायलों को महासमुंद मेडिकल कालेज रिफर कर दिया गया है, जहाँ इनका ईलाज जारी है। इस मामले पर बागबाहरा वन परिक्षेत्र के अधिकारी लोकनाथ ध्रुव ने बताया कि, घायलों को उपचार हेतु तात्कालिक सहायता राशि 500-500 रूपये दिए गए है बाद ज़ब पुरे ईलाज का बिल आएगा उसका भुगतान वन विभाग के द्वारा किया जाएगा,वहीं ग्रामीणों को भालूओ से दूर रहने व रात के समय जंगल नहीं जाने की अपील बार बार की जा रही है।

सिलादेही में गूंजेगा श्रीकृष्ण भक्ति का मधुर रस

बिर्रा (समय दर्शन)। बम्हनीडीह विकासखण्ड के ग्राम सिलादेही में हनुमान चौक सड़कपारा द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ 09 अक्टूबर को भव्य बालिका कर्मा नृत्य एवं कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। इस पावन अवसर पर व्यासपीठ पर विराजमान होंगी कथावाचिका पूज्य बहन गीतांजलि शर्मा जी (गौरैय्या धाम चौरेल, जिला बालोद)। कथा प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे से हरिकृपा तक संपन्न होगी।

कथा कार्यक्रम के अनुसार 09 अक्टूबर को भव्य कलशयात्रा (शोभायात्रा), 10 अक्टूबर को वेदी पूजन व कथा महात्म्य, 11 अक्टूबर को परीक्षित जन्म, सुकदेव आगमन एवं कपिल चरित्र की कथा, 12 अक्टूबर को सती चरित्र, भक्त ध्रुव एवं प्रह्लाद चरित्र, 13 अक्टूबर को वामनावतार एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 14 अक्टूबर को बाललीला एवं गोवर्धन पूजा, 15 अक्टूबर को श्री महारास व रुक्मणी मंगल (विवाहोत्सव), 16 अक्टूबर को श्रीकृष्णङ्कसुदामा चरित्र के साथ कथा विश्राम तथा 17 अक्टूबर को तुलसी वर्षा, यज्ञङ्कहवन, पूर्णाहुति एवं सहस्त्रधारा के साथ कथा का भव्य समापन होगा।

आयोजन को सफल बनाने में मुख्य जजमान केंवरा बाई-शंखू पटेल, सुरेखा वैष्णव- संतोष वैष्णव,रूखमणी- शिवकुमार, प्रेमलता- भोला साहू, होगे। रामाधार केंवट, रामप्यारा पटेल, लीलाराम पटेल, गुड्डू केंवट, मनोज साहू, कृष्ण कुमार पटेल, सुशील पटेल,लखन पटेल, रितेश तिवारी सहित हनुमान चौक सड़कपारा के सभी श्रद्धालु ग्रामवासी तन मन धन से जुटे हुए हैं।

त्यौहारी सीजन में फिल्ड पर क़ानून व्यवस्था दुरुस्त रखें -कलेक्टर

कलेक्टर ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

बलौदाबाजार(समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक सोनी ने मंगलवार को समय -सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने आगामी दीपाली सहित अन्य त्योहारों में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में क़ानून व्यस्था दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने कहा कि तहसीलदार,सचिव व कोटवार अलर्ट मोड़ पर रहे,प्रति दिन ऑल ओके रिपोर्ट लें। सभी एसडीएम शांति समिति की बैठक आयोजित करें। बड़े आयोजन जिसमें अधिक लोगों के एकत्रित होने की संभावना हो उसके लिए अनुमति लेना अनिवार्य करें। मीना बाजार या अन्य मेला आयोजन पर सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए ।उन्होंने एग्रीस्टेक पंजीयन में छूटे हुए किसनों का पंजीयन शीघ्र कराने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिये। इसीतरह डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं भौतिक सत्यापन कार्य जल्द पूर्ण करने राजस्व विभाग के अधिकारियो को निर्देशित किया। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में लक्ष्य के विरुद्ध पैनल स्थापना की समीक्षा करते हुए सीएसडीसीएल के अधिकारियो को आवेदक एवं वेंडर की बैठक कराने तथा पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आवेदन स्वीकृत करने के निर्देश दिये।

बसंतपुर - किकिरदा से घोघरी, डभरा एवं चंद्रपुर तक मुख्य मार्ग तालाब में तब्दील

बिर्रा (समय दर्शन)। बसंतपुर - किकिरदा और करही से घोघरी , डभरा एवं चंद्रपुर तक मुख्य मार्ग तालाब में तब्दील हो गया है। जगह-जगह बड़े-बड़े तालाब नुमा जानलेवा गड्ढा हो गया है। लोक निर्माण विभाग उप संभाग चांपा ,संभाग बिलासपुर के अधिकारी कर्मचारी मुख्य मार्ग की मरम्मत को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। जिसके कारण आने जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि अविभाजित जांजगीर चांपा जिला के अंतर्गत ग्राम बसंतपुर ,किकिरदा और करही से घोघरी , डभरा एवं चंद्रपुर तक मुख्य मार्ग तालाब में तब्दील हो गया है। इस मुख्य मार्ग में जगह-जगह बड़े-बड़े तालाब नुमा जानलेवा गड्ढा हो गया है। इस मुख्य मार्ग में रोजाना हजारों की तादाद में छोटे-छोटे और बड़े-बड़े भारी वाहन आते जाते हैं। बड़े-बड़े भारी वाहनों के आने जाने के कारण इस मुख्य मार्ग में बड़े-बड़े तालाब नुमा जगह-जगह जानलेवा गड्ढा हो गया है। जिसके कारण इस मार्ग में आने जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार मोटरसाइकिल सवार इस मार्ग में बने बड़े-बड़े जानलेवा तालाब नुमा गड्ढा में गिरकर घायल हो जाते हैं। जिसको स्थानीय ग्रामीणों की मदद से अस्पताल तक पहुंचाया जाता है और इलाज भी करवाया जाता है। बसंतपुर से बस स्टैंड चौक के पहले किकिरदा में कुछ ग्रामीणों के द्वारा मुख्य मार्ग के अगल-बगल में लंबा चौड़ा मेढ़ नुमा मिट्टी से पार बांध कर मुख्य मार्ग में ही पानी को रोक दिया जा रहा है। जिसके कारण मुख्य मार्ग में ही महानदी जैसे पानी भरा रहता है। मानों ऐसा लगता है की सड़क के बीच में महानदी है या महानदी के बीच में सड़क बना है, आने जाने वालों को समझ में नहीं आता है। अगर समय रहते इस बसंतपुर - किकिरदा और करही से घोघरी , डभरा एवं चंद्रपुर तक इस मुख्य मार्ग को लोक निर्माण विभाग उप संभाग चांपा संभाग बिलासपुर के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा मरम्मत नहीं कराया जाता है तो कभी भी वाहन चालक गिरकर हादसे का शिकार हो सकते हैं। कई बार वाहन चालक गिरकर सड़क हादसे का शिकार भी हो चुके हैं। उसके बावजूद भी लोक निर्माण विभाग उप संभाग चांपा संभाग बिलासपुर के अधिकारी जानबूझकर अनजान बने हुए कुर्सी में बैठकर कार्यालय की सोभा बढ़ा रहे हैं। वाहन चालकों का जान भी जा सकता है। मुख्य मार्ग में बने बड़े-बड़े तालाब नुमा जानलेवा गड्ढे से लोक निर्माण विभाग उप संभाग चांपा संभाग बिलासपुर के अधिकारी कर्मचारियों को कोई लेना-देना नहीं है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी कर्मचारी कुर्सी में हाथ में हाथ रख बैठकर कार्यालय की सोभा बढ़ा रहे हैं।

बहरहाल कारण चाहे जो भी बसंतपुर - किकिरदा से घोघरी डभरा एवं चंद्रपुर तक इस मुख्य मार्ग तालाब में तब्दील हो गया है। इस मुख्य मार्ग में चलने वाले लोगों ने कलेक्टर महोदय से सड़क की दशा सुधरवाने की मांग किए हैं।

नशेड़ी टीचर से नाराज ग्रामीणों ने स्कूल गेट में जड़ा ताला

गरियाबंद (समय दर्शन)। ब्लाक के एक स्कूल के नशेड़ी प्राचार्य के खिलाफग्रामीणों ने मुहीम छेड़ते हुए उन्हें हटाने स्कूल के गेट में ताला बंद करते हुए विरोध प्रकट किए ।ज्ञात हो कि जिला मुख्यालय से दस किलोमीटर दूर ग्राम कोड़ोहरदी के प्रधान पाठक टंकेश्वर सोम के खिलाफपरिजनों ने स्कूल के गेट ताला लगा दिए है।

वही ग्रामीणों की मांग है कि उक्त पदस्त टीचर जो कि आमामोरा से स्थानांतरित होकर कोड़ोहरदी स्कूल में प्राचार्य के पद में आए है, लेकिन वे अक्सर बिना किसी सूचना ओ स्कूल में अनुपस्थित रहते है,साथ ही कई बार नशे की हालत में स्कूल आए है,इस बात कि शिकायत शिक्षा विभाग के अधिकारियों से किया गया है,साथ ही संकुल समन्वयक द्वारा जांच के दौरान उन्हें अनुपस्थित पाया गया,इसपर उक्त शिक्षक को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है,लेकिन वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आए ।इन कारणों से नाराज पालकों के द्वारा स्कूल गेट में ताला बंद कर विरोध किया,वही परिजनों की मांग है कि जब तक अधिकारी नहीं आ जाते ताला नहीं खोला जायेगा ।इस विरोध की जानकारी उच्चाधिकारियों को होते ही उनके द्वारा तत्काल टिम गठित कर जांच प्रतिवेदन तीन दिन में देने निर्देश जारी किया ।

जिले में रोजगार दिवस पर ग्रामीणों को मिला डिजिटल अधिकार यूआर कोड से मिलेगी मनरेगा की पूरी जानकारी

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में प्रत्येक माह की 07 तारीख को आयोजित होने वाला 'रोजगार दिवस' इस बार डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में क्यूआर कोड लगाए गए, जिनके माध्यम से ग्रामीण अब अपनी पंचायतों में चल रहे मनरेगा कार्यों की जानकारी सीधे अपने मोबाइल फोन से प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत भवनों में चस्पा किए गए क्यूआर कोड की कार्यप्रणाली और उपयोगिता के बारे में ग्रामीणों को लाइव डेमो के माध्यम से समझाया गया। ग्रामीणों ने यह जाना कि स्मार्टफोन के कैमरे से क्यूआर कोड स्कैन कर वे 2021 से 2025 तक के स्वीकृत कार्यों का विवरण देख सकते हैं। इसमें यह जानकारी शामिल है कि कौन सा कार्य प्रगतिरत है या पूर्ण हो चुका है, कितनी राशि खर्च की गई है, मजदूरी का भुगतान हुआ है या नहीं, रोजगार दिवस कितने मिले, और क्या उन्हें बेरोजगारी भत्ता का दावा करना चाहिए।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि यह क्यूआर कोड ग्रामीणों के लिए एक क्रांतिकारी उपकरण है, जो उन्हें पारदर्शिता, रोजगार जानकारी, डिजिटल सुविधा और शिकायत निवारण जैसे अनेक लाभ प्रदान करता है। अब ग्रामीण मनरेगा परियोजनाओं की स्थिति, स्वीकृत बजट और प्रगति की जानकारी तुरंत प्राप्त कर सकते हैं। इससे योजनाओं में पारदर्शिता आएगी।

बसना के जूना तालाब में नाली के पानी जाने से फैल रही गंदगी

पसरा है गंदगी, हो रहा संक्रमण

जानकारी मिलते ही नपा अध्यक्ष एवं पार्षद ने लिया संज्ञान

बसना(समय दर्शन)। बसना नगर पंचायत के वार्ड नंबर 06 के जूना तालाब में नाली का गंदा पानी जाने से तालाब का पानी दूषित हो रहा है।

नगर सीमा क्षेत्र में एक मात्र जूना तालाब ही निस्तारी के लायक जीवित है ,जो शहर के नालियों के पानी से दूषित हो रहा है। जहाँ वार्ड नंबर 06,07,08,09 ,10 के वार्ड वासियों का निस्तारी होता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी अत्यधिक गंदा होने के कारण नहाने से बीमारी फैल रही है। दाद,खाज खुजली होना आम बात हो गई है। वार्ड नंबर 06 के महिलाओं ने नाराजगी जाहिर करते हुए नाली के पानी को

तालाब में जाने से रोके जाने की मांग नगर पंचायत से की है ताकि संक्रमण व बीमारी से बचा जा सके।

वार्ड वासियों का कहना है कि उन्होने अनेकों बार नगर पंचायत में मौखिक व आवेदन दे चुके हैं लेकिन, अभी इस तरफध्यान नहीं दिया गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर पंचायत द्वारा किसी प्रकार से इस ज्वलन्त मुद्दे पर पहल नहीं करना शर्मनाक है।

नपा अध्यक्ष डॉ खूशबू अग्रवाल से वार्ड वासी उम्मीद करते हैं कि हमारी समस्या का समाधान होगा। इस संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ खूशबू अग्रवाल ने कहा है कि हमने जाना तालाब व पानी की सफाई के तीन करोड़ की बजट का प्रपोजल शासन को भेजा है,निकट भविष्य में जूना तालाब का सौंदर्यीकरण सहित सारी व्यवस्थाएँ दुरूस्त की जाएगी। आपके माध्यम से पुन:जानकारी मिली है ।सी एम ओ साहब को बोल कर जल्द ही समस्या का समाधान करेंगे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26